अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित
वर्ष : 15 अंक 08 लखनऊ, शनिवार, 19 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

तृणमूल की सरकार बंगाल के विकास में बाधक : मोदी

● प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में दी 54 सौ करोड़ से अधिक विकास परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस की सरकार को राज्य के विकास में सबसे बड़ी रुकावट बताया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि एक बार भाजपा को अवसर दें और ऐसी सरकार चुनें जो कामदार, ईमानदार और दमदार हो। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को दुर्गापुर में भाजपा द्वारा आयोजित राजनीतिक जनसभा के दौरान यह बातें कहीं। इससे पहले उन्होंने एक अन्य कार्यक्रम में 5400 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार, बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन यह दीवार गिरेगी, उसी दिन से राज्य में विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य एक समृद्ध और विकसित बंगाल का निर्माण करना है। प्रधानमंत्री ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था, निवेश में गिरावट और युवाओं के पलायन को लेकर तृणमूल सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीते दशकों में हिंसा, पक्षपातपूर्ण पुलिसिंग और न्याय प्रणाली में अविश्वास के कारण बंगाल निवेश के लिए अनाकर्षक बन गया है। राज्य सरकार लोगों और व्यवसायों की सुरक्षा करने में विफल रही है, जिससे संभावित निवेशकों की चिंताएं और बढ़ी हैं।

पटना-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने दिखायी हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बापूधाम मोतिहारी से चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया। उन्होंने राजेंद्र नगर टर्मिनलऽनई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस सहित चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कांवड़ यात्रियों को बदनाम किया जा रहा, उन्हें उपद्रवी बोला जाता है : योगी आदित्यनाथ

● कुछ लोग समाज के बीच विघटन पैदा कर लोगों को मुख्यधारा से अलग करने का काम करते हैं : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्री पूरी श्रद्धा और भक्ति भावना से यात्रा करते हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोला जाता है। यह मानसिकता हर प्रकार से भारत की विरासत और आस्था को अपमानित करने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शुक्रवार को यहां राजघाट स्थित वसंता महिला महाविद्यालय में आयोजित 'बिरसा मुंडा की विरासत, आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने और जातीय संघर्ष को हवा देने वालों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बारे में समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा, ''आज कांवड़ यात्री अपनी भक्ति भावना से 200, 300, 400 किलोमीटर तक कांवड़ उठाकर हर-हर बम बोलते हुए चले जाते हैं, लेकिन उनका भी मीडिया ट्रायल होता है। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोला जाता है। यह मानसिकता हर प्रकार से भारत की विरासत और आस्था को अपमानित करने का काम कर रही हैं। यही लोग सोशल मीडिया पर फ़ेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने का काम करते हैं''....। समाज को बांटने का काम करते हैं। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहना चाहिए।

संक्षिप्त

स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' नौसेना में शामिल, भारत की समुद्री ताकत बढ़ेगी

नई दिल्ली। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) 'निस्तार' शुक्रवार को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो गया है। इससे न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। कमीशनिंग समारोह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में हुआ।

जनता के हमदर्द नहीं माकपा और संघ : राहुल गांधी

कोट्टायम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्कसवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा) पर जनता के प्रति भावनाहीनता का आरोप लगाया है। केरल के पुथुपल्ली में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की याद में आयोजित स्मृति सभा के दौरान कांग्रेस सांसद ने ये आरोप लगाए हैं। कोट्टायम के पुथुपल्ली में आयोजित ओमन चांडी स्मृति संगमम में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा पर जनता के प्रति कोई भावना न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग विचारधारा से तो लड़ते हैं, लेकिन जनता के प्रति संवेदना का इनमें अभाव है। राहुल गांधी ने कहा , ''मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते।

निमिषा को फांसी से बचाने के प्रयास को सुप्रीम कोर्ट की 'हरी झंडी'

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यमन में हत्या की दोषी केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फंासी से बचने के प्रयास के तहत 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' को उसकी याचिका पर केंद्र सरकार से संपर्क साधने की शुक्रवार को अनुमति दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने काउंसिल की ओर से दायर एक रिट याचिका पर अनुमति संबंधित आदेश पारित किया।काउंसिल ने शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर करके गुहार लगाई थी कि उसके कुछ सदस्य और केरल के सुन्नी इस्लामी नेता कंथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के एक प्रतिनिधि पीड़ित के परिवार से मिलने और निमिषा की रिहाई के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए यमन जाना चाहते हैं। इसके लिए उसे केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने दलील दी कि यमन में भारतीयों के यात्रा पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार की अनुमति के बिना कोई भी भारतीय यमन नहीं जा सकता। याचिका में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के परिवार से बातचीत करके उन्हें शरीयत कानून के अनुसार खूंबहा' (एक तरह का मुआवजा) स्वीकार करने के बाद उसे माफ करने के लिए राजी करने के प्रयास चल रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत ने न्यायालय कोसूचित किया कि निमिषा की 16 जुलाई को होने वाली फंासी स्थगित कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''फिलहाल, फांसी पर रोक लगा दी गई है। हम भारत सरकार के सभी प्रयासों के लिए आभारी हैं। बावजूद हमें वहां जाना ही होगा। निमिषा को वर्ष 2017 में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद मौत की सज़ा सुनाई गयी थी। निमिषा ने कथित तौर पर अपने पासपोर्ट को वापस पाने के लिए महदी को बेहोशी का इंजेक्शन दिया था।

बांग्लादेश ने 34 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया, भारत ने की कांसुलर पहुंच की मांग

नई दिल्ली। बांग्लादेश की समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के आरोप में 34 भारतीय मछुआरों और उनकी दो नौकाओं को वहां की अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। भारत ने इस मुद्दे को राजनयिक चैनलों के माध्यम से उठाते हुए मछुआरों की कांसुलर पहुंच की मांग की है और उनकी शीघ्र नौकाओं सहित वापसी का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार 14-15 जुलाई की मध्यरात्रि को बांग्लादेश के मोंगला तट के समीप दो भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाएं – एफबी झोर और एफबी मां मंगल चंडी – बांग्लादेश की समुद्री सीमा में प्रवेश कर गईं। इस दौरान बांग्लादेशी अधिकारियों ने कथित रूप से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा का उल्लंघन करने और उनके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय मछुआरों को पकड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस विषय को बांग्लादेश सरकार के समक्ष तत्काल उठाया। भारत ने मछुआरों से कांसुलर संपर्क की मांग की है। मामले को राजनयिक माध्यमों से लगातार उठाया जा रहा है और सभी 34 मछुआरों व उनकी नौकाओं की वापसी के लिए प्रयास जारी हैं।

भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही गुरु परंपरा का विशेष महत्व रहा : कमल जायसवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हरदोई। भारतीय शिक्षण मंडल , अवध प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष प्रो.फ़ेसर कमल जायसवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही गुरु परंपरा का विशेष महत्व रहा है समर्थ गुरु समर्थ राष्ट्र की भावना से शिक्षण मंडल कार्य करता हैं। मन में गुरु के प्रति श्रद्धा परम आवश्यक है यह श्रद्धा विद्यार्थियों के मन में स्थापित करना आज की परिस्थितियों में प्रासंगिक है। जिसके लिए महर्षि वेदव्यास जो भारतीय संस्कृति की गुरु परंपरा के प्रतीक है भारतीय शिक्षण मंडल गुरु परंपरा के पुनर्जीवन के लिए महर्षि वेदव्यास जी के जन्म दिवस आषाढ़ मास की पूर्णिमा को व्यास पूजा के रूप में प्रतिवर्ष संपूर्ण भारतवर्ष में कार्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष भी शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने करने के लिए भारतीय शिक्षण मंडल तथा सार्वजनिक शिक्षा ने संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में व्यास पूजा उत्सव में हरदोई जनपद के प्रमुख शिक्षाविद शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है।

इस वर्ष कार्यक्रम का आयोजन डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सी एस एन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.फ़ेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि गुरु का जीवन में बहुत अधिक महत्व है गुरु वह व्यक्ति है जो अज्ञानता को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलता है और सही मार्ग दिखाता है। गुरु ज्ञान मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत होता है । गुरु सही और गलत के बीच के अंतर समझते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं । गुरु हमें जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करते हैं ।

गुरु न केवल शैक्षिक विकास में बल्कि नैतिक और मानसिक विकास में भी मार्गदर्शन करते हैं । गुरु हमें आध्यात्मिक ज्ञान भी प्रदान करते हैं और हमें मोक्ष की ओर ले जाते हैं । गुरु के बिना जीवन अधूरा और दिशाहीन हो जाता है । गुरु का स्थान हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है और हमें उनका सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर आर.आर.इण्टर कॉलेज के शिक्षक श्री देवेश सिंह, सनातन धर्म इण्टर कालेज के शिक्षक श्री रोहित कुमार सिंह, से एस एस महाविद्यालय के शिक्षक डॉ अखिलेश चंद्र पांडे, ग्रामोदय महाविद्यालय के अभयशंकर मिश्रा आदि 35 शिक्षकों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।

समारोह की विशिष्ट अतिथि डॉ यू.बी. किरण ने कहा कि भले ही कोई ब्रह्मा, विष्णु ,महेश के समान क्यों ना हो पर वह बिना गुरु के भवसागर पार नहीं कर सकता जब से धरती बनी है तब से ही गुरु का महत्व इस धरती पर है वेद, पुराण,उपनिषद, रामायण, गीता, गुरु ग्रंथ साहब आदि में महान संतों द्वारा गुरु की महिमा का गुणगान किया गया है । शिक्षक ईश्वर का दिया हुआ वह वरदान है जो हमेशा से ही बिना किसी स्वार्थ भेदभाव रहित व्यवहार से बच्चों को सही गलत और अच्छे बुरे का ज्ञान करता है।

समारोह में आभार ज्ञापन करते हुए सह संयोजक महाविद्यालय के डा दलप्रीत कौर ने कहा समाज में शिक्षक की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है क्योंकि उन्हें बच्चों से समाज का निर्माण होता है और शिक्षक उन्हें समाज में एक अच्छा इंसान बनाने की जिम्मेदारी लेता है माता-पिता के बाद शिक्षक ही होता है जो अपने बच्चों को एक सही रूप में डालने की नींव रखता है। कार्यक्रम का संचालन महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय के शिक्षक तथा जिला संयोजक डॉ .अजीत आनन्द मणि जी ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ अभिषेक सिंह सेंगर,डा नमिता त्रिपाठी, डॉ रश्मि द्विवेदी , आनंद विशारद पारुल गुप्ता इत्यादि मौजूद रहे।

इस वर्ष 25 फीसदी कॉलेजों को नैक मान्यता दिलाएगी योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- उच्च शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर सरकार का बड़ा अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस वर्ष एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। 2025-26 तक प्रदेश के 25 प्रतिशत कॉलेजों को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद से मान्यता दिलाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। यह प्रयास राज्य के उच्च शिक्षा विभाग एवं उत्तर प्रदेश स्टेट लेवल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के सक्रिय प्रयासों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग में सुधार के लिए गई पहल के तहत नैक मूल्यांकन हेतु पहले ही 1000 कॉलेजों का चयन किया जा चुका है। यही नहीं, अब तक राज्य के 6 विश्वविद्यालयों ने नैक में A++ रैंकिंग भी हासिल की है। इसी क्रम में अब 25 प्रतिशत कॉलेजों को नैक मान्यता दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार ने नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बाइनरी प्रणाली की शुरुआत की है। यह प्रणाली कॉलेजों के लिए सरल, पारदर्शी और

परिणामोन्मुख मूल्यांकन सुनिश्चित करती है, जिससे कॉलेजों को समय पर अपनी स्वीकृति और ग्रेडिंग प्राप्त करने में मदद मिलेगी। सरकार अब सभी पात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए समय पर नैक मूल्यांकन को अनिवार्य और जवाबदेही आधारित बनाने जा रही है। इसके लिए एक नई नीति तैयार की जा रही है। इसमें संस्थानों को तय समयसीमा में मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह पहल राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम है। इससे छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, योग्य शिक्षक और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त संस्थान मिलेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई यह श्रृंखलाबद्ध पहलें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, जवाबदेही और तकनीकी समावेशन को लेकर एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। इससे न केवल कॉलेजों की रैंकिंग बेहतर होगी, बल्कि छात्रों का भविष्य भी मजबूत होगा।

उत्तर प्रदेश में मक्का और आलू की खेती से किसानों की आमदनी बढ़ाएगी योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- महिलाओं और छोटे किसानों को मिलेगा विशेष लाभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक नई पहल की है। सरकार ने मक्का और आलू की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी परियोजना की शुरुआत की है, जिसे 'सार्वजनिक-निजी भागीदारी कृषि मूल्य श्रृंखला विकास परियोजना' कहा गया है। इस योजना के तहत सरकार और निजी कंपनियां मिलकर काम करेंगी, जिससे खेती के बाद की प्रक्रिया जैसे भंडारण, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण और बिक्री को आसान और बेहतर बनाया जाएगा। इससे किसानों को फसल का अच्छा दाम मिलेगा और बर्बादी भी कम होगी।

मक्का के लिए निन्जाकार्ट से साझेदारीप्रदेश सरकार ने मक्का की खेती को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रमुख एग्री-टेक कंपनी 'निन्जाकार्ट' से समझौता किया है। कंपनी उत्तर प्रदेश के 5 जिलों में 10 हजार से ज्यादा किसानों से हर साल 25 हजार टन मक्का खरीदेगी। यह मक्का एथेनॉल बनाने वाली फैक्ट्रियों को भेजा जाएगा, जिससे भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्य को भी मदद मिलेगी।

आलू के लिए विदेशी कंपनी एग्रिस्टो से सहयोगआलू की खेती और उसके प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए विदेशी कंपनी एग्रिस्टो मासा से समझौता किया गया है। यह कंपनी किसानों को बेहतर किस्म के आलू उगाने, उसकी प्रोसेसिंग और विदेश भेजने की सुविधा देगी। इससे खासकर आलू उत्पादक जिलों में किसानों को नया बाजार और आमदनी का मौका मिलेगा। इस परियोजना में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के साथ मिलकर काम किया जाएगा और महिला किसानों को भी प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। उन्हें उन्नत बीज, कृषि मशीनरी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बीमा और पारदर्शी मूल्य तय करने वाली प्रणाली जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। कोल्ड स्टोरेज और भंडारण की सुविधाफसल कटाई के बाद उत्पाद खराब न हों, इसके लिए कोल्ड चेन, स्टोरेज और ग्रेडिंग की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ेगी और नुकसान कम होगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि यह परियोजना किसानों को आधुनिक खेती, अच्छे बाजार और बेहतर आमदनी से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल है। इससे उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

सचिवालय सचिव की पत्नी को लूटने वाले गिरफ्तार, 2 लुटेरों ने घर में घुसकर गला रेता था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के भूतनाथ में अफसर की पत्नी से लूट के मामले में गाजीपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एसी बनाने के बहाने घर में घुसे थे। इसके बाद महिला का गला रेतकर कान की बाली और चेन लूट कर फरार हो गए थे। पुलिस 8 दिन से आरोपियों की तलाश कर रही थी। आरोपियों की पहचान समोद्दीपुर इंदिरानगर निवासी चिरकू उर्फ कपिल कश्यप (20) और फरीदनगर इंदिरानगर निवासी रामधीरज उर्फ मोगली (22) के रूप में हुई। आरोपियों के पास से कान की दो बाली बरामद हुई है। घटना 9 जून की है। भूतनाथ मार्केट, इंदिरा नगर में 2 लुटेरे एसी बनाने के बहाने सचिवालय के सचिव हरीशचंद्र पांडेय के घर पहुंचे। उनकी पत्नी शशि पांडेय की सोने की चेन और बाली लूट ली। इस दौरान शशि का गला रेता और दीवार से सिर लड़ा दिया। शशि के गले में 7 टांके लगे हैं। हाथ में गहरे जख्म हो गए हैं। वो 10 जून को अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर पहुंचीं। हालत में सुधार है, लेकिन बोलने में दिक्कत हो रही है। डीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया आरोपी स्मैक का नशा करते हैं। आरोपियों ने राह चलते उस घर को टारगेट बनाया था। आरोपी चिरकु की एक महीने बाद शादी होनी है। जिसके लिए घूमने व अन्य खर्च के लिए उसके पास पैसे नहीं थे। इस वजह से घटना को अंजाम दिया था। आरोपी चिरकू पर गाजीपुर थाने में 6 मुकदमें दर्ज हैं। जबकि मोगली पर एक मुकदमा दर्ज है। डीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया आरोपी स्मैक का नशा करते हैं। राह चलते उस घर को टारगेट बनाया था। आरोपी चिरकु की एक महीने बाद शादी होनी है। जिसके लिए घूमने व अन्य खर्च के लिए उसके पास पैसे नहीं थे। इस वजह से घटना को अंजाम दिया था। आरोपी पर गाजीपुर थाने में 6 मुकदमे दर्ज हैं। जबकि मोगली पर एक मुकदमा दर्ज है।

राजधानी को हरा-भरा बनाना संस्था संचेंतना का लक्ष्यः तपस्या शुक्ला

लखनऊ। उ0प्र0 सरकार के महावृक्षारोपण अभियान में जहां सैतीस करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके है वही अन्य संस्थाये भी अपने स्तर से राजधानी को हरा-भरा बनाने के लिये प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में संचेतन संचेतना सामाजिक संस्था के द्वारा राजधानी में वृहद वृक्षारोपण का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत खाली पड़ी भूमि और पार्कों में सैकड़ों की संख्या में औषधीय पौधों का रोपण किया जा रहा है। संचेतना की अध्यक्ष तपस्या शुक्ला के अनुसार अपने शहर लखनऊ को हरा-भरा बनाना संस्था का उद्देश्य है। साथ ही इसमें संस्था के साथ-साथ स्थानीय निवासियो की सहभागिता भी आवश्यक है। उनके अनुसर संचेतना में शिवांक शुक्ला, आजम सिद्दीकी,संजीव जैन, अंकुर,दीपाली निगम, विशाल निगम, प्रियंका, अविका, शिरामणि पुजारी, विकास, सनी, दीपिका, पूजा, अमिषा जैसे अनेक लोग इस अभियान में कदम से कदम मिला कर लखनऊ को वास्तव में क्लीन लखनऊ व ग्रीन लखनऊ बनाने के भागीरथ प्रयास में जुटे हुए है।

धर्मांतरण मामला : गजवा-ए-हिंद मिशन पर था छांगुर, डायरियों से खुलेंगे अहम राज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विदेशी फंडिंग और हवाला के पैसों को लेकर ईडी की कार्रवाई तेज

बलरामपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र के निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। छानबीन के दौरान जांच एजेंसियों के हाथ जो सबूत लगे हैं, उससे यह साफ है कि छांगुर लम्बे समय से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा। अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था ने छांगुर के खिलाफ जांच एजेंसियों के कार्रवाई करने की पुष्टि की है।

छांगुर 'गजवा-ए-हिंद जैसी खतरनाक विचारा से प्रेरिक होकर भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के लिए धर्मांतरण का काम करने लगा। इस काम के लिए उसने एक बड़ा नेटवर्क बनाया, जिसमें बहुत सारे मुस्लिम लोगों को जोड़कर हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर धर्मांतरण का कार्य करने लगा। भारत में उसका काम अच्छा चलने पर अब वह नेपाल में अपना पांव पसराने लगा था। उसने नेपाल सीमा से सटे कुछ गांवों के युवाओं पर उसकी नजर थी। हालांकि छांगुर को लेकर अभी तक क्या-क्या कार्रवाई हुई है? इस पर अभी तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया हैं, लेकिन कार्रवाइयां यह बता रही हैं कि छांगुर का मकसद बहुत बड़ा था। जांच टीम के हाथ लगी डायरियों के पन्ने अब उसके कारनामों के राज खोलेंगी। अवैध धर्मांतरण के मामले में अब ईडी टीम ने जांच शुरू कर दी है। इसको लेकर गुरुवार को ईडी की 20 टीमों ने लखनऊ, बलरामपुर और मुंबई में 15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। उतरौला के मधपुर गांव में बने छांगुर के ठिकाने पर ईडी की टीम ने विदेशी फंडिंग और हवाला से पैसों की लेन देन की पड़ताल की। मधपुर कोठी के लिए नीतू को जमीन बेचने वाले इसी गांव के पूर्व प्रधान जुम्मन खां, विक्रेता संतोष,

भाई दुर्गेश त्रिगुनायक से भी पूछताछ की गई। छांगुर गिरोह से जुड़े सीजेएम कोर्ट में लिपिक राजेश उपाध्याय के लखनऊ आवास पर ईडी टीम ने छापा मारा। राजेश की पत्नी संगीता ने टीम को बताया कि वह छांगुर की संपत्ति में साझेदार है। पूर्व प्रधान ने बताया कि नीतू को 28 बिस्वा जमीन बेची थी। अन्य लोगों ने पांच बीघा 13 बिस्वा जमीन उन्हें बेची थी, जिसका हिसाब ईडी ने लिया है। अवैध धर्मांतरण और फंडिंग को लेकर छानबीन कर रही जांच टीम के हाथ कई सबूत लगे हैं। इसमें एक यह बात सामने निकल कर आयी है कि नेपाल सीमा से सटे गांवों में छांगुर धर्मांतरण के अड्डे खोलने और इस्लामिक मूवमेंट फैलाने की साजिश रच रहा था। उसने 46 गांवों के युवाओं को टारगेट कर एक बड़ी टीम बना ली थी। वह टेरर कैंप बनाना चहता था, जो लोगों को तैयार कर सके। इस काम के लिए उसके पास करीब 10 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना थी। इसके लिए उसके पास विदेशों से भी पैसे आने लगे थे। छांगुर का नेटवर्क केवल यूपी के अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तराखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था। वह सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखता था, ताकि उसकी गतिविधियां गुप्त रहें। उसके नेटवर्क में कई रसूखदार लोग, डॉक्टर और अन्य पेशेवर शामिल थे, जो इस अवैध गतिविधि को बढ़ावा दे रहे थे। छांगुर के आलीशान कोठी में तहखाना की तरह कमरे बनाए गए थे। यहां पर अवैध धर्मांतरण और अन्य चीजों की ट्रेनिंग दी जाती थी। वह दुबई से धर्मगुरूओं को बुलवाकर विशेष प्रशिक्षण दिलवाता था और शरिया कानून के बारे में लोगों को बताया जाता था। इस संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि छांगुर के खिलाफ जांच एजेंसी अपने स्तर पर कार्रवाइयां कर रही हैं। उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। प्रदेश में आज शुक्रवार से प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के आंशिक परिसीमन के साथ ही मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वार्ड परिसीमन की अंतिम सूची जारी हो जाने के बाद 12 अगस्त तक इसकी कापी निदेशक पंचायती राज को उपलब्ध कराने के निर्देश शासन ने दिए हैं। 13 अगस्त तक ग्राम पंचायतों में मतदाता सूची का प्रिंट और विलोपन का काम होगा। इसके बाद बीएलओ और पर्यवेक्षकों को कार्य क्षेत्र आवंटित किए जाएंगे, उन्हें प्रशिक्षण और स्टेशनरी भी दी जाएगी। 14 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण करेंगे। 25 दिसंबर तक दावा-आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। एक जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा अपने नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकेंगे। 15 जनवरी 2026 को सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची के अद्यतनीकरण तथा निर्वाचन संबंधी कानूनी प्रावधानों एवं नियमों की जानकारी दी गई। ये तिथियां निर्धारित- 18 जुलाई से 13 अगस्त तक बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को सामग्री और सूची बांटी जाएगी।- 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे।- 14 अगस्त से 20 सितंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण करेंगे।- 14 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

कैडेट्स ने भारतीय स्वाभिमान की शुभ यात्रा का पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आसमान फतह करने से लेकर सितारों को छूने तक-भारतीय वायुसेना अधिकारी के अदम्य साहस से प्रेरित एक सफर शुभांशु शुक्ला भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के गगनयात्री (अंतरिक्ष यात्री) द्वारा एक्सिओम मिशन 4 को सफलतापूर्वक पूरा करके धरती पर वापस लौटने पर आज दिनांक 18 जुलाई 2025 को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ पोस्टर के माध्यम से हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई संदेश दिया, प्राचार्य प्रो़फ़ेसर मंजुला उपाध्याय तथा एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में कैडेट्स ने भारतीय स्वाभिमान की शुभ यात्रा का पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शन किया। प्राचार्य प्रो़फ़ेसर मंजुला उपाध्याय ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन भारतीयों की इच्छाओं, आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद, यह भारत के लिए एक अभूतपूर्व क्षण है तथा यह भारत के निरंतर विस्तृत होते क्षितिज की पुष्टि है। भारत ने गगनयान दिशा में एक और शानदार कदम बढ़ा दिया है। केडेट अंडर ऑफिसर बुशरा हमीद, सिद्धि यादव, आस्था त्रिपाठी, प्रीति कुमारी, लक्षिका किशोर, खुशी सिंह, अंजलि बाजपेई, सृष्टि, प्रियांशी, दीप्ति आदि बड़ी संख्या में कैडेट्स ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के मिशन से हम सभी अत्यंत उत्साहित हैं और 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य में सहयोग करने का संकल्प करते हैं।

एक रहस्यमय जगह, तीन हजार साल पुरानी सभ्यता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नबाबों का शहर लखनऊ जो न सिर्फ अपने तहजीब के लिए जाना जाता है बल्कि यहां के खान-पान और यहां की फिजाओं में बहुत कुछ जस्ब है। यहां के लोग, उनकी तहजीब, उनकी तालीम पूरी दुनिया मानती है लेकिन इससे इतर इस शहर में कई ऐसी जगह भी है जो आज भी रहस्यमय और लोगों के लिए कौतूहल बना हुआ है। यहां की इमारतें अपने आप में एक रहस्य है। जहां खुदाई में 3000 साल पुरानी सभ्यता के अवशेष मिले हैं। यहां एक प्राचीन मंदिर और इमारतों के अवशेष भी मिले हैं, जो पूर्व-एनबीपीडब्ल्यू से लेकर मध्ययुगीन काल तक के सांस्कृतिक अनुक्रम को दर्शाते हैं। यह स्थल लगभग 86 एकड़ में फैला हुआ है और सामान्य धरातल से 5 मीटर ऊंचा है, जिसके चारों ओर करेला झील है। हुलास खेड़ा में खुदाई के दौरान, पुरातत्व विभाग ने 1978-79 में उत्खनन कार्य शुरू किया था। यहां से प्राप्त ईंटों और अन्य निर्माण सामग्री से पता चलता है कि यहां एक प्राचीन बस्ती थी, जिसमें मंदिर और इमारतें शामिल थीं। खुदाई में मिली ईंटों की बनावट और मोटाई से अनुमान लगाया गया है कि यह एक महत्वपूर्ण स्थल था, जिसमें 3000 साल पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिलते हैं। हुलास खेड़ा की खुदाई से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह स्थल 3000 साल पुराना है और यहां कई सांस्कृतिक काल के अवशेष मिले हैं। यह स्थल लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में स्थित है और करेला झील के पास होने के कारण, इसे एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

एलडीए अधिकारियों ने सील निर्माण को करवाया पूर्ण,शीघ्र होगी अध्यासित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार अनधिकृत निर्माण रोकने में सफल होने के बाद लखनऊ शहर के चारों ओर। अनधिकृत निर्माण की बाढ़ आ गई है, बेलगाम हो गए, अनधिकृत निर्माण रोकने में हताश हुए उपाध्यक्ष अब अनधिकृत निर्माण की शिकायत करने वाले शिकायतकर्ताओं के प्रॉपर्टी डीलरों बिल्डरों को बुलाकर फर्जी मुकदमे दर्ज करवाने के लिए लोगों पर कथित दबाव बना रहे हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सील किए गए अनधिकृत निर्माण अधिकांश उन्हीं के मंत्र प्रवर्तन में तैनात अवर व सहायक अभियंता तथा जोनल अधिकारी की दूषित कार्य शैली के चलते अधिकांश पूर्ण होकर अध्यासित हो गए हैं, उक्त जानकारी से उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार अछूते नहीं है, जमीनी स्तर पर तैनात अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को दरकिनार कर कथित तौर पर जेबें भरने में व्यस्त हैं। यह स्थिति लखनऊ के शहरी विकास और कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। चौंकाने वाला मामला उन बिल्डिंगों का है, जिन्हें एलडीए ने अवैध गतिविधियों के चलते सील कर दिया था, लेकिन उन पर भी बेखौफ होकर निर्माण कार्य जारी है, जो एलडीए अधिकारियों की दुरभि संधि के बिना संभव नहीं हो सकता. मड़ियांव क्षेत्र के छठ मिल तिराहे से लगभग 200 मीटर दूर रैथा मार्ग पर सील निर्माण पूर्ण होकर अध्यासित होने की तैयारी में है वही ताड़ी खाने से ककौली मार्ग पर अन्ना पुलिया के पास परिधि बैंक्विट हॉल के सामने व्यावसायिक निर्माण की आइजीआरएस पोर्टल पर अनेकों शिकायतों के बाद भी पूर्ण हो गया जो प्रवर्तन जोन-4 का जीता-जागता उदाहरण हैं। यहां एलडीए द्वारा सील की गई दो बिल्डिंगों में बिल्डरों ने सीलिंग तोड़कर फिर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, यह सारा खेल अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है, लेकिन वे अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं, जिससे इस अपराध को पनपने का मौका मिल रहा है। यदि कोई नागरिक जनहित में भारतीय अनुच्छेद 51 क व अधिनियम 19 के तहत अनाधिकृत निर्माण की लखनऊ विकास प्राधिकरण में शिकायत करने पर एलडीए के भ्रष्टाचार का द्वैतक बने अधिकारी शिकायतकर्ताओं को अपमानित कर अवैध वसूली या बिल्डर से पैसे मांगने जैसे झूठे आरोप लगाए जाते हैं, एलडीए अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार को छिपाने और जवाबदेही से बचने की एक सोची-समझी रणनीति लगती है, मुख्यमंत्री के पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने पर एलडीए अधिकारियों द्वारा शिकायतों का सत प्रतिशत फर्जी निस्तारण किया जाता है। सीलिंग के बाद सील की गई बिल्डिंग की निगरानी के लिए एलडीए द्वारा संबंधित थाने को एक पत्र भेजकर मामले की अंतेष्टि कर कहा जाता है कि पुलिस अभिरक्षा में है, संबंधित मामले में पूँछने पर अनेकों थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्य एलडीए का है, पुलिस प्रत्येक अनधिकृत निर्माण पर नहीं बैठ सकती है यदि अनधिकृत निर्माण होने पर एलडीए अधिकारी पुलिस को सूचना दें पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

सीएम योगी की मुहिम से बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी में फिर से लौटने लगा जीवन

- अपना अस्तित्व खो चुकीं नदियों को सीएम योगी के प्रयासों से मिल रहा नया जीवन, नदियों में दिखने लगा जल प्रवाह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लंबे समय से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहीं बलरामपुर की सुआंव नदी और बहराइच की टेढ़ी नदी अब फिर से जीवंत हो उठी हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक जनपद, एक नदी मुहिम से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से प्रदेश की लुप्त होती नदियों के पुनर्जीवन के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग का संगम देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री की मुहिम को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनके आह्वान पर स्थानीय श्रमदान के माध्यम से नदियों के पुनरुद्धार में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मंडल के चार जिलों में विलुप्त हो चुकी नदियों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इससे श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती, गोंडा की मनोरमा नदी अपने मूल स्वरूप में बहने लगी है जबकि बलरामपुर की सुआंव और बहराइच की टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। बलरामपुर के जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि एक जनपद, एक नदी अभियान के तहत बलरामपुर की सुआंव नदी का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 121 हेक्टेयर लम्बाई और 320.61 वर्ग हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली सुआंव नदी का बहाव वर्षों से अवरुद्ध था। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर नदी के पुनरुद्धार का कार्य मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुआंव नदी के संरक्षण के लिए कुल 49 कार्य स्थलों की पहचान की गई, जिनमें से 25 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और 24 कार्यों के लिए योजना निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

नदी के पुनरुद्धार के लिए अनुमानित 45,747 मानव-दिवसों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 13,749 मानव-दिवसों का कार्य पूरा किया जा चुका है। नगर पालिका परिषद द्वारा नदी की सफाई और नालों की मरम्मत के कार्य युद्धस्तर पर कराए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर नदी के प्रवाह को बाधित करने वाली गाद और कचरा एकत्र हुआ था, वहां से मशीनों और श्रमिकों के सहयोग से निकासी की जा रही है। इसके अलावा वन विभाग द्वारा नदी के दोनों किनारों पर पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बहाल हो सके और नदी के किनारे हरियाली का विकास हो। बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए बहराइच में विलुप्त हो चुकी टेढ़ी नदी के पुनरुद्धार का काम जोरों से चल रहा है। यह नदी लगभग 38 किलोमीटर लम्बी है, पिछली सरकारों में अनदेखी की वजह से अपने मूल स्वरूप से भटक गयी थी। इसे दोबारा जनसहयोग से पुनर्जीवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टेढ़ी नदी के दोनों किनारों की सफाई, झाड़ियां हटाना, गाद निकालना और जलधारा को पुनः सुगम बनाने का कार्य किया जा रहा है। नदी के पुनरुद्धार से न केवल सिंचाई और जल संचयन की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी सुदृढ़ होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अभियान की प्रगति की नियमित निगरानी कर रहे हैं। उनका मानना है कि जल संसाधनों का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनसामान्य की साझेदारी से ही कार्य संभव हो सकता है। यही वजह है कि प्रदेश में नदी पुनरुद्धार अभियान को एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी की मुहिम संस्कृति, जीवनशैली और भविष्य को सुरक्षित करने के संकल्प को दर्शाती है।

जिला पंचायत के मुख्य द्वार पर आगन्तुक प्रतीक्षालय का लोकापर्ण-जनता को समर्पित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला पंचायत कार्यालय के मुख्य द्वार पर कलेक्ट्रेट में आने वाले नागरिकों के लिये आगन्तुक प्रतीक्षालय का लोकापर्ण प्रेमावती पीके वर्मा, अध्यक्ष, जिला पंचायत, हरदोई के कर कमलों द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, हरदोई एवं जिला पंचायत के सदस्यगणों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस आगन्तुक प्रतीक्षालय के निर्मित होने से जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत एवं अन्य प्रशासनिक कार्यालयों में प्रतिदिन आने वाले आगन्तुकों को वर्षा एवं धूप से बचाव हेतु भव्य शैड एवं बैठनें की समुचित व्यवस्था की गयी है। इस आगन्तुक प्रतीक्षालय के निर्माण से आगन्तुकों को राहत होगी। लोकापर्ण के पश्चात प्रेमावती पीके वर्मा, अध्यक्ष, जिला पंचायत, हरदोई की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत की बैठक कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में गत बैठक 29 अप्रैल 2025 की कार्यवाही सदन में पढ़ कर सुनाई गयी। चर्चोपरान्त गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गयी। बैठक में विकास खण्ड टड़ियावां के ग्राम बेहटाचांद स्थित बेलाताली तालाब का सौदर्गीकरण कराये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर बेलाताली तालाब में नया टिकटघर, तालाब का सौदर्याकरण, टहलने के लिये पाथवे, तालाब में पैड़लबोट, ओपेन सभागार, ओपेन जिम, कैन्टीन, खुली दुकानेध्स्टाल, लाईटिंग, स्वच्छता के दृष्टिकोण से डस्टबीन, बच्चों के झूले एवं पार्किंग की व्यवस्थायें कराये जाने का निर्णय लिया गया। तालाब का सौदर्याकरण जिला पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से कराया जायेगा। तालाब में आने वाले पर्यटकों से लिये जाने वाले टिकट, पैड़ल वोट एवं दुकानों, से होने वाली आय जिला पंचायत की शुद्ध आय होगी। पार्क में आने वाले पर्यटको के वाहनों को सुव्यवस्थित रूप से खड़ा करने के लिये पार्किंग की व्यवस्था भी करायी जायेगी। पार्किंग के ठेके से भी जिला पंचायत को आय होगी। इस प्रस्ताव के स्वीकृत होने से एक ओर जंहा नगर के समीप एक सुन्दर पर्यटक स्थल बनकर तैयार होगा, वंही दूसरी ओर जिला पंचायत को आय भी होगी।

इस सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रेमावती पीके वर्मा, अध्यक्ष, जिला पंचायत, हरदोई ने जिला पंचायत राज अधिकारी को बेलाताली तालाब को जिला पंचायत के पक्ष में हस्तान्तरण की कार्यवाही तत्काल करने के आदेश दिये गये। जनपद हरदोई के नाम को परिवर्तित कर प्रहलाद नगरी किये जाने के सम्बन्ध में भी चर्चोपरान्त बैठक में अनुमोदन किया गया। उपस्थित जिला पंचायत के सदस्यों द्वारा जनपद में बनने वाले मार्गों को जल निगम द्वारा क्षतिग्रस्त किये जाने तथा लोक निर्माण विभाग की सड़कों की मरम्मत कराये जाने की मांग की गयी। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग, नलकूप, स्वास्थ्य, विद्युत एवं लोक निर्माण विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में सदन में अपनी बातों को निराकरण हेतु रखा गया। जिरा पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को सदस्यों की समस्याओं का निराकरण करते हुये अगली बैठक से पूर्व अनुपालन किये जाने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी ने शासन की विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से सदन को अवगत कराया। बैठक में उपस्थित जिला पंचायत के सदस्यगणों, मुख्य विकास अधिकारी एवं पत्रकार बन्धुओं का आभार व्यक्त करते हुये प्रेमावती पीके वर्मा, अध्यक्ष, जिला पंचायत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्ग दर्शन एवं आप सभी सदस्यगणों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से जिला पंचायत, हरदोई जनहित में विकास के पथ पर अनवरत अग्रसर है। प्रदेश एवं केन्द्र सरकार की संचालित योजनाओं को प्रत्येक वर्ग के हितों के दृष्टिगत रखते हये सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से अन्तिम पायदान के व्यक्ति तक पहुँचाना, हम सभी का दायित्व है। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय निदेशक, सामाजिकी वानिकी वन एवं वन्य जीव प्रभाग हरदोई, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, हरदोई, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला सूचना अधिकारी आदि तथा नीलकमल, विशाल सेठ, रवि कनौजिया, दीनदयाल वर्मा, किशन पाल, राममूर्ति राठौर, सर्वेन्द्र कुमार गुप्ता, मीना वर्मा, पूजा पटेल, निशा कुशवाहा आदि सदस्यों ने चर्चा में प्रतिभाग किया। बैठक का संचालन प्रदीप कुमार गुप्ता, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, हरदोई द्वारा किया गया।

सीआरएस पोर्टल हैकिंग कांड का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार, सिस्टम में सेंधमारी कर बनाते थे फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। टड़ियावां थाना क्षेत्र में सीआरएस पोर्टल की आईडी हैक कर फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई टडियावां और बेनीगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

ग्राम विकास अधिकारी राजीव श्रीवास्तव ने शिकायत दी थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सीआरएस पोर्टल पर उनकी आईडी हैक कर, अनाधिकृत तरीके से अपनी ईमेल और मोबाइल नंबर का प्रयोग करते हुए फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए हैं। शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपियों में लखनऊ निवासी अभिषेक गुप्ता, कुशीनगर निवासी धर्मेंद्र मद्धेशिया और बिहार सहरसा निवासी रूपेश कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक लैपटॉप, चार मोबाइल फोन, चार फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और सीआरएस पोर्टल की आईडी-पासवर्ड की प्रतियां बरामद की हैं। पूछताछ में धर्मेंद्र मद्धेशिया ने बताया कि वह जन सुविधा केंद्र चलाता है। उसे व्हाट्सएप के माध्यम से अभिषेक से एक प्रस्ताव मिलाए जिसमें प्रमाण पत्र बनवाने की बात थी। उसने 10,000 रुपये में सीआरएस पोर्टल की आईडी खरीदी और फिर 200-250 रुपये लेकर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने लगा।

एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने सिस्टम के लूज प्वाइंट्स की जानकारी दी है, जिसे देखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को पत्राचार किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हरदोई की सीआरएस पोर्टल आईडी आखिरकार किसने उपलब्ध कराई। अन्य संभावित आरोपियों की तलाश भी जारी है।

नवीन भवन का उद्घाटन किया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड हरियावाँ के उच्च प्राथमिक विद्यालय हरियावाँ के नवीन भवन का उद्घाटन संयुक्त रूप से ग्राम प्रधान ओंकारनाथ मिश्रा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष आलोक मिश्रा द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सरस्वती की प्रतिमा पर उपयुक्त तीनों द्वारा माल्यार्पण किया गया। ततपश्चात जिला बेसिक अधिकारी विजय प्रताप सिंह, प्रधान ओंकार नाथ मिश्र व आलोक मिश्र द्वारा बच्चों को स्कूल चलो अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया वह स्वयं रैली में शामिल होकर अभिभावकों से नामांकन हेतु संपर्क किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिलाध्यक्ष आलोक मिश्रा द्वारा विद्यालय प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम एक पेड़ अभियान के अंतर्गत एक-एक पौधारोपण किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय भवन की गुणवत्ता की सराहना की गई। इस अवसर प्रधानाध्यापक पंकज कुमारी, अवर अभियंता नीरज वाजपेयी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष आशीष दीक्षित कमल कुमार कोहली मुनेश्वर सिंह हरदोई के संगठन मंत्री पुष्पेंद्र शुक्ला विद्यालय के शिक्षक पूजा दीक्षित, सविता अग्रवाल,रवीन्द्र यादव, हलघर पांडे, प्रशांत शुक्ला,दिव्यांशु मिश्रा आदि शिक्षक व विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

बाइक से गिरा चुटहिल युवक हुआ रेफर

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पाली मार्ग पर स्थित गहोरा गांव का एक युवक जो बाइक से गिरकर जख्मी हो गया था उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफ़र किया गया है। सीएचसी पर मौजूद परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक 23 वर्षीय सुमित पुत्र रामलड़ैते शुक्रवार को अपने खेत से बाइक द्वारा वापस घर आ रहा था जो किन्ही अज्ञात परिस्थितियों के चलते अचानक बाइक से गिरकर चुटहिल हो गया। सुमित को तुरंत सीएचसी लाए जाने के बाद हेड इंजरी के चलते उसे जिला अस्पताल रेफ़र कर दिया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-बिजगवां, विकास खण्ड-पिहानी, जनपद-हरदोई

पत्रांक- मेमो/मनरेगा/2025-26 दिनाँक- 18.07.2025

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

कार्यालय ग्राम पंचायत-बिजगवां, विकास खण्ड-पिहानी, जनपद-हरदोई द्वारा मनरेगा के अन्तर्गत कराए जाने वाले निम्न लिखित कार्यो पर सामग्री (सीमेण्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, रोड़ी, ईट प्रथम, इण्टरलॉकिंग ईट आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-19.07.2025 से 23.07.2025 को 03:00 बजे तक पंचायत भवन से प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-23.07.2025 को समिति द्वारा साय 04:00 बजे पंचायत भवन में खोली जाएगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1.	धर्मपाल के घर से पंजाब के घर तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	366232.00
2.	सुजीत के घर से खड़ण्जा तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	173139.00

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

(श्री मेवाराम)
प्रधान
ग्राम पंचायत- बिजगवां
विकास खण्ड- पिहानी, हरदोई

(श्री अभिषेक कुमार)
सचिव
ग्राम पंचायत- बिजगवां
विकास खण्ड- पिहानी, हरदोई

घटिया निर्माण पर भाजपा के पूर्व बूथ अध्यक्ष की फर्म ब्लैक लिस्टेड

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पालिका के वार्ड 25 में सीसी रोड और नाली निर्माण में खामियां मिलने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी अनुनय झा के आदेश पर कार्यदायी संस्था की सभी निविदाएं निरस्त कर दी गई हैं। साथ ही फर्म को ब्लैकलिस्ट किया गया है। वार्ड के सभासद हफीज अहमद उर्फ मुन्ना नेता ने 1 जुलाई को डीएम को शिकायत की थी। उन्होंने नादिर के मकान से रियाज मस्जिद और शकीला बेगम के घर से इशक के घर तक बन रहे निर्माण में खामियों की जानकारी दी। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता ने जांच की। निरीक्षण में सीसी रोड की ऊपरी सतह क्षतिग्रस्त मिली। निर्माण में कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट नहीं थे। नाली के ऊपर बने क्रॉस की मोटाई कम थी। कैंबर भी मेंटेन नहीं किया गया था। एडीएम प्रियंका सिंह ने निर्माण में सुधार के निर्देश दिए। लेकिन तय समय में कार्य नहीं सुधारा गया। इसके बाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने ठेकेदार मोहन बाजपेयी की सभी निविदाएं रद्द कर दीं। उनकी फर्म को काली सूची में डाल दिया गया ठेकेदार मोहन बाजपेयी भाजपा के पूर्व बूथ अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय निर्माण की गुणवत्ता के आधार पर लिया गया हैए अनियमितताओं पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

वृक्ष धरती का गहना हैं, इन्हें बचाना हमारा कर्तव्य है

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पेड़ लगाना केवल एक पौधा रोपने भर की बात नहीं है, यह एक नई ज़िंदगी, एक सुरक्षित भविष्य, और एक स्वच्छ पृथ्वी की नींव रखने जैसा है। यदि हम हर वर्ष एक पेड़ भी लगाएं और उसकी देखभाल करें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और हरा-भरा संसार मिल सकता है। एक पेड़ मां के नाम, प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आज गुरु गोरखनाथ गर्ल्स कॉलेज में आम, नीम, बेल पत्र, कांजी, जामुन, अशोक, अमरूद, शमी इत्यादि 50 पौधे रोपित किए गए । और उनकी सुरक्षा के ट्री गार्ड भी लगाए गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन द्वारा किया गया। उन्होंने विल्व पत्र लगाकर शुरुआत की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अविनाश मिश्रएअनुराधा मिश्र ने भी अपनी मां के नाम से एक एक पौधा रोपित किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मोहिनी मिश्र सहित सौरभ अग्निहोत्री, मदन मोहन सिंह, पंकज त्रिपाठी, अंकुर मिश्र, अवनीश कुमार, अनामिका दीक्षित, प्रशंसा विष्ट, निरुपमा शुक्ला, देवकी राजपूत, आर्या सिंह, रश्मि मिश्र, मंडवी सिंह, कल्पना मौजूद रही। एक पौधा सदगुरु अवधूत बाबा शिवानंद जी के नाम से भी लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कालेज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि पेड़ हमारा जीवन धन है।

खेत हमारा, कब्जा तुम्हारा, कब तक चलेगा सीएम साहब, पीड़ित ने रो रोकर बयां किया दर्द

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सरकारी और निजी जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराने के आदेश को धता बता कर निज स्वार्थ सिद्ध करने में जुटे कर्मचारी अधिकारी जमीनी सच्चाई से रूबरू नही होना चाहते हैं। जिसके कारण फरियादी जनपद के आला अधिकारियों डीएम एसपी की चौखट पर दस्तक देते रहते हैं लेकिन उन्हें निचले स्तर पर न्याय नहीं मिल पाता है। ऐसा ही एक मामला तहसील शाहाबाद के बंदरहा गांव का है। जहां पीड़ित समीम की डेढ़ हेक्टेयर जमीन पर गाँव का ही एक दबंग परिवार अवैध रूप से कब्जा किए हैं।उक्त प्रकरण में शिकायत कर्ता द्वारा डीएम से लेकर समाधान दिवसों में भी शिकायते की गईं लेकिन उसकी जमीन उसे नही मिल पाई। पीड़ित ने बताया कि उनके पिता ने उक्त जमीन वर्ष 2010 में बैनामा कराई थी। गांव के ही कुछ लोग उसकी डेढ़ हेक्टेयर जमीन नही छोड़ रहे हैं। अभी कुछ समय पूर्व खेत की पैमाईश की गई थी जिसमे निशान देही भी कराई गई लेकिन दबंगों ने जमीन नही खाली की तथा पुलिस और लेखपाल से मिलकर उसमें धान की फसल लगा दी। अपने खेत पर जबरिया कब्जा से वह आहत ही नही बल्कि पूरी तरह टूट चुका है। थाना मझिला के रोतापुर निवासी समीम अली ने बताया कि उसकी 40 बीघा से अधिक जमीन तहसील शाहाबाद के बंदरहा गांव में है। पीड़ित ने लेखपाल पर 15 हजार लेने के बाद भी कब्जा न कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बताया कि उसने ज्यादा पैसे नही दे पाए तो लेखपाल ने विपक्षियों को उसकी जमीन में धान लगवा दिया।

विवाहिता ने पति सहित सात पर लिखाई रिपोर्ट

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जटपुरा निवासी विवाहिता ने फर्रुखाबाद जनपद निवासी पति सहित सात लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़िता नीरजा पुत्री राजकुमार के अनुसार उसका विवाह 31 जनवरी 24 को फर्रुखाबाद जनपद के राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चित्रकूट निवासी रामबाबू के पुत्र अंकित कुमार के साथ हुआ था।उसके पिता ने हैसियत के अनुसार करीब बारह लाख रुपए उसके विवाह में खर्च कर दान दहेज दहेज दिया था। लेकिन विवाह के कुछ दिन बाद ही अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपए नगद और सोने की वजनदार चेन की मांग को लेकर विपक्षी पति, ससुर, जेठ रामवीर, नन्हे, जेठानी उमा, सुशीला और सास जयदेवी आए दिन उसे प्रताड़ित कर मारपीट करते हैं। 10 जुलाई को विपक्षियों ने दहेज की मांग को लेकर उसे काफी मारा पीटा और उसके पिता को फोन कर उसके द्वारा फांसी लगा देने की सूचना दी गई।सूचना पर उसके माता पिता भाई उसकी ससुराल पहुंचे और विपक्षियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन विपक्षियों द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। उसके पिता ने उसकी ससुराल के कुछ लोगों से पंचायत भी करवाई लेकिन आरोपी बिना उनकी मांग पूरी किए उसे अपने घर में रखने को राजी नहीं हुए। वह अपने पिता के साथ 6 माह की पुत्री को लेकर उनके घर आ गई। विवाहिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जन सुनवाई में मिली 99 शिकायतें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। आज जन सुनवाई में कुल 99 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। मौके पर ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। आज जन सुनवाई में कुल 03 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई के दौरान ही कुल 197 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। कादीराम के एक बुजुर्ग का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। सुनीता नाम की एक महिला को तीन वर्ष पूर्व मृत हो चुके पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र दिलाया गया। एक दिव्यांग बच्चे निखिल का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने तथा उसके पश्चात अंत्योदय कार्ड व आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। एक दिव्यांग अनी मोहम्मद को दुकान संचालन योजना से लाभान्वित कराया गया। जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंहए उप जिलाधिकारी नहने राम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत उपकेंद्र कछौना में विद्युत मेगा कैंप का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विद्युत उपकेंद्र कछौना पर विद्युत उपकेंद्र कछौना, बघौली, बनियन खेड़ा संबंधित विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत बिल संबंधी बकाया बिल, एकमुश्त समाधान, नया संयोजन, भारवृद्धि, मीटर खराबी, एकमुश्त समाधान योजना आदि समस्याओं का निराकरण हेतु शुक्रवार को विद्युत मेगा कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने बढ़.चढ़कर समस्याओं के निराकरण हेतु प्रतिभाग किया। जिसमें उपभोक्ताओं ने बताया ग्रामीण क्षेत्र में मीटर रीडर नियमित रूप से नहीं जाते हैं। मीटर रीडिंग घर बैठे मनमानी डाल देते हैं। जिससे उपभोक्ताओं को काफी समस्या होती है। वहीं सरकार का राजस्व प्रभावित होता है। ग्राम प्रधान अनूप कुमार ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। ग्राम सभा समसपुर को जाने वाली विद्युत लाइन काफी जर्जर है। तार नीचे लटक रहे हैं। जिसके कारण आए दिन तार टूटने से किसानों की फसल व पशुहानि होती है। सरकार बजट का रोना रोती है। तार टूटने के कारण कई दिनों तक विद्युत आपूर्ति बाधित होती है। कछौना मेगा कैंप में जन सरोकार मंच के संयोजक परमेश्वर दयालए दीपू सिंह ने संबंधित अधिकारी को ज्ञापन दिया कि ग्राम मरेउरा को जाने वाली विद्युत लाइन कई दशक पुरानी जर्जर है। इससे कई ग्रामों तकिया, मोहाई, भीरीघाट, देवनपुर, त्यौरी, मतुआ, बनियन खेड़ा, मरेउरा को आपूर्ति सप्लाई होती है। लाइन जर्जर होने के कारण उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने के साथ अनहोनी घटना फसल व पशुहानि भी होती है। कई बार पशुहानि हो चुकी है। विभागीय अधिकारियों के पास रटा रटाया उत्तर बजट स्वीकृत होते ही कार्य कराया जाएगा। सरकारी सिस्टम का खामियाजा आम जनमानस को उठाना पड़ता है। वहीं उपभोक्ताओं ने बताया नया कनेक्शन लेने हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया के बावजूद विभागीय कर्मी बिना सुविधा शुल्क के कनेक्शन नहीं करते हैं। जिससे उपभोक्ताओं को दर.दर भटकना पड़ता है। कई स्थानों सार्वजनिक व विद्यालयों के पास ट्रांसफार्मर खुले में लगे हैं। सुरक्षा जाली न होने के कारण हादसा होने की प्रबल संभावना रहती है। कई आबादी क्षेत्र ग्राम बालामऊ में रेलवे लाइन के पूरब दिशा मेंए ग्राम सभा महरी के सेमरा खुर्द के मजरा जालिमपुरए ग्राम सभा कछौना देहात का मोहल्ला कीरतपुर का वार्ड राधा नगर अभी तक विद्युतीकरण से वंचित है। इस विद्युत मेगा कैंप में कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ो की संख्या में उपभोक्ताओं में विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण कराया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता संडीला, उपखंड अधिकारी पुनीत दुबे व अवर अभियंता राजकुमार, गोविंद, रामकृपाल, सुनील वर्मा सहित विद्युत कर्मी अलग.अलग समस्याओं का स्टाल लगाकर निराकरण कर रहे हैं। उपभोक्ताओं ने इस मेगा कैंप का लाभ उठाया।

हरियावां चीनी मिल में मानसून गन्ना बुवाई का शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम सिकन्दरपुर में कृषक जफर नियाज के खेत पर 4 फिट की एकल पंक्ति विधि से को0 15023 गन्ना प्रजाति का दो एकड क्षेत्रफल में बुवाई का महाप्रबंधक (गन्ना) संदीप सिंह ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। महाप्रबंधक ने उपस्थित 25 से अधिक किसानो को सम्बोधित करते हुए एकल पंक्ति विधि से 4 फिट की दूरी पर अधिक से अधिक बुवाई करने को कहा। प्रबंधक सुबोध सिंह ने कृषको को शरदकाल में उन्नतशील प्रजातियो की बुवाई की अपील की। कृषको ने हाथ उठाकर बुवाई करने का संकल्प लेकर आश्वस्त किया। मौके पर जोनल अधिकारी रामलखन यादव, क्षेत्रीय फील्ड स्टाप राधेश्याम, राम नरेश, अरुण शर्मा, तिलक सिंह, ललित मिश्रा, जयप्रकाश दीक्षित, संदीप सिंह आदि अधिकारीगण और कृषक उपस्थित रहे।

बेस्ट फील्डर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला राजन सिंह को

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। क्षेत्र में 15 जून 2025 को पूरा बहादुर क्रिकेट लीग सीजन-1 टूर्नामेंट का आगाज हुआ था जिसमें कई ग्राम सभा की टीमों ने हिस्सा लिया था जिसका फाइनल मुकाबला संपन्न हुआ। पूरा बहादुर क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में पर्सेनी पैंथर्स एवं पूरा बहादुर चैंपियंस की टीम पहुंची थी।

दोनों टीम के बीच शुक्रवार को फाइनल मुकाबला संपन्न हुआ। मुकाबले में पूरा बहादुर चैंपियंस की टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड अभिषेक कुमार एवं बेस्ट फील्डर ऑफ द टूर्नामेंट का वार्ड राजन सिंह को प्रदान किया गया तथा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शिव कुमार को दिया गया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, विजय सिंह आशा, आलोक सिंह पूराबहादुर, राजन सिंह पूराबहादुर, पंकज सिंह पाटकुआ, भोला सिंह पूराबहादुर आदि लोग मौजूद रहे।

दबंगों ने लाठी डंडे से पीटकर तीन को किया घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया में शुक्रवार की शाम को दबंगों ने एक ही परिवार के तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। पीड़ित दिनेश शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे उसकी मां रामदेवी और बहन मंशा अपने दरवाजे पर बैठे थे।तभी गांव निवासी सोनी पुत्री रामपाल अपने पिताएभाई सूरज और मां के साथ उसके दरवाजे पर लाठी डंडे लेकर आ गए और पुरानी रंजिश में उसकी मां बहन की गाली गलौज करने लगे तभी वह भी मौके पर आ गया और गाली देने से मना किया।तो विपक्षियों ने लाठी डंडों से उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया।जिससे उसका सिर फट गया।उसकी मां और बहन भी घायल हो गए। पीड़ित से तहरीर लेकर कोतवाली पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी भेज दिया है।

छात्रों का विरोध प्रदर्शन, खराब सड़क से परेशान स्कूली बच्चों ने मांगा समाधान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गौरिया से अब्दुल्ला नगर के बीच 3 किलोमीटर लंबी सड़क की खस्ता हालत के खिलाफ स्कूली छात्रों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। संजय गांधी इंटर कॉलेज, अब्दुल्ला नगर के सैकड़ों छात्र.छात्राएं इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर सड़क निर्माण की मांग की। सड़क पर गड्ढे और कीचड़ की वजह से उन्हें रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन में मान्या अवस्थी, काव्यांश, भवेश सक्सेना, मयंक और आयुष समेत कई छात्र.छात्राएं मौजूद थे। कई बार शिकायत पर कार्रवाई नहीं। कार्यवाहक प्रधानाचार्य अगम प्रकाश त्रिवेदी ने छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्रों का कहना है कि बारिश के मौसम में स्थिति और बिगड़ जाती है। इससे दुर्घटना का खतरा रहता है। स्थानीय निवासियों ने भी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै सत्येन्द्र कुमार पुत्र चन्द्र कुमार, पता- 538 रामनगर कालोनी, हरदोई ग्रामीण, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरी पुत्री का नाम पूर्व में सानवी तिवारी था, जिसे मैने परिवर्तित करके ओजस्वी तिवारी कर दिया है। अब भविष्य में मेरी पुत्री को ओजस्वी तिवारी के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक- उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फ़ेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता- पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

> **ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं।**

गोवंश संरक्षण से बढ़ रही अर्थव्यवस्था

मृत्युंजय दीक्षित

> **वर्ष 2017 से पूर्व गोवंश की स्थिति ही एकदम उलट थी, प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए सरकारी स्तर पर कोई योजना नहीं थी। गौमाता और गौवंश को कसाईयों के हाथों बेचा जाता था, अवैध बूचड़खानों में उनका रक्त बहता था और वह दर्द से कराहती रहती थीं। वर्तमान योगी सरकार गोवंश संरक्षण के लिए संकल्पनवान है क्योंकि न केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वरन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौ भक्त हैं। पूर्व की सपा सरकार के दौर में प्रदेश में केवल 100 गो आश्रयस्थल थे और पशु टीकाकरण अभियान भी अत्यंत सीमित था।**

सनातन के ध्वज वाहक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, ल्लवन्दे गौ मातरमङ्क भाव का अनुसरण करते हुए वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद से ही गोवंश संरक्षण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं जिसका परिणाम अब स्पष्ट दिखाई देने लगा है। गोवंश के माध्यम से अर्थव्यवस्था को भी बल मिल रहा है। योगी सरकार का पहला बड़ा कदम अवैध बूचड़खानों को बंद करके उनका जीवन संरक्षण था। इसके पश्चात गौ को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनाकर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए गए। सरकार की योजनाओं से अब गोशालाएं भी आत्मनिर्भर हो रही हैं तथा गौ माता किसानों की आय भी दोगुनी करने में भी सहयोग दे रही हैं । वर्ष 2017 से पूर्व गोवंश की स्थिति ही एकदम उलट थी, प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए सरकारी स्तर पर कोई योजना नहीं थी। गौमाता और गौवंश को कसाईयों के हाथों बेचा जाता था, अवैध बूचड़खानों में उनका रक्त बहता था और वह दर्द से कराहती रहती थीं। वर्तमान योगी सरकार गोवंश संरक्षण के लिए संकल्पनवान है क्योंकि न केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वरन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौ भक्त हैं। पूर्व की सपा सरकार के दौर में प्रदेश में केवल 100 गो आश्रयस्थल थे और पशु टीकाकरण अभियान भी अत्यंत सीमित था। अब योगी जी की अगुआई वाले उत्तर प्रदेश में 717 गो आश्रय स्थल हैं जिनमें 12.52 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनके भरण- पोषण के लिए सरकार प्रतिदिन 50 रुपए प्रति गोवंश के हिसाब से 7.5 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। 2017 से पूर्व डेयरी मिशन का कोई अस्तित्व ही नहीं था, योगी सरकार आने के बाद युवाओं के लिए पशुपालन और डेयरी सेक्टर में अवसरों के नए द्वार खुले हैं। गो आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था का यूपी माडल अब देशभर के लिए अनुकरणीय सिद्ध हो रहा है। सरकार स्वदेशी गौसंवर्धन, नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। पहली बार कृषक और पशुपालक परिवारों को एक-एक गाय व 1500 रुपए प्रतिमाह दिए जाने की व्यवस्था की गई है। नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत 25 दुधारू गोवंश की इकाइयां स्थापित कर 50 प्रतिशत महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में पहली बार व्यापक पशु टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है और अब तक 14.50 करोड़ से अधिक पशुओं का टीककारण लम्पी रोग से बचाव और नियंत्रण के लिए किया जा चुका है। आठ वर्षो में 2022 पशु चिकित्सालयों के अतिरिक्त 39 नए चिकित्सालय और 2,575 पशु सेवा केंद्र स्थापित किये गये हैं। सड़क दुर्घटनाओं आदि से चोटिल गोवंश व बीमारी से ग्रस्त गोवंश की सुरक्षा के लिए पहली बार 520 मोबाइल वेटनरी यूनिट्स ने 15.93 लाख पशु पालकों के 32.34 लाख पशुओं को चिकित्सा सुविधा प्रदान की है। सड़क दुर्घटना में गोवंश के बचाव हेतु रेडियम बेल्ट लगाने की प्रक्रिया आरम्भ हुई।यूपी देश का ऐसा पहला राज्य बना जहां निःशुल्क पशु चिकित्सकीय सहायता हेतु टोल फ्री नंबर1962 उपलब्ध है। उपरोक्त प्रयासों से प्रदेश में गोवंश की मृत्यु दर देश में सबसे कम हो गई है। गोवंश के कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के लिए 3.08 लाख गर्भाधान निःशुल्क किये गये। प्रदेश में पहली बार चारा नीति को व्यवस्थित किया गया और 230 हेक्टेयर भूमि पर नेपियर घास का उत्पादन शुरू हुआ जिसके अंतर्गत 1.73 लाख क्विंटल चारा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया।प्रदेश में 1372.35 क्विंटल उन्नत चारा बीज का निःशुल्क वितरण किया गया है। पशुधन बीमा योजना में 1.60 लाख पशुओं का बीमा किया जा चुका है।मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत स्वदेशी नस्लों जैसे साहीवाल , गिर और थारपारकर के पालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन सभी योजनाओं में 40 से 50 प्रतिशत अनुदान और 10 से 15 हजार रुपए का पुरस्कार डीबीटी के माध्यम से 6500 से अधिक गौपालकों को दिया गया है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास और उत्पाद प्रोत्साहन नीति लागू की गई है। दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण हेतु 220 समितियों का गठन और 450 समितियों का पुर्नगठन किया गया। प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाये रखने के लिए 1,000 करोड़ की लागत से नंद बाबा दुग्ध मिशन प्रारंभ हुआ। मेरठ में 4 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता का नवीन ग्रीन फील्ड प्लांट पूर्ण हो चुका है। प्रदेश सरकार के अथक प्रयत्नों से देश के कुल दुग्ध उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 16.21 प्रतिशत हो चुकी है। गोबर और गोमूत्र बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार- उत्तर प्रदेश ने गोवंश संरक्षण को एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्रांति में तो बदला ही है साथ ही इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देने का अभिनव प्रयास किया जा रहा है। अब गोशालाओं में गोपाष्टमी की धूम रहती है। प्रदेश की गोशालाओं को सजाया संवारा जाता है। गोबर और गोमूत्र आधारित उत्पादों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया है। पशुपालकों के लिए गोबर व गो -मूत्र को आय का साधन बनाया है। गो आश्रय स्थल को स्वावलंबी बनाने हेतु गो उत्पाद जैसे गोबर पेंट, गोबर के लट्ठे, राख व मूर्तियों आदि का निर्माण हो रहा है। गो उत्पाद पंचगव्य का निर्माण हो रहा है जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है ।इससे किसानों व ग्रामीण महिलाओं की आय में प्रत्यक्ष वृद्धि हो रही है।वर्मी कम्पोस्ट, गमले, गो दीपक, गोकाष्ठ, धूपबत्ती, जीवामृत और घनामृत जैसे उत्पादों का प्राथमिकता के आधार पर निर्माण व बिक्री का प्रबंध किया जा रहा है जिससे ग्रामीण युवाओं व महिलाओं की आर्थिकी मजबूत हो रही है। प्रदेश की गौशालाएं अब पर्यावरण संरक्षण का भी केंद्र बन रही है। प्रदेश सरकार ने गोपाल वनों की स्थापना करने का निर्णय लिया है । इस मानसून में प्रदेश की सभी गौशाला में गोपाल वन स्थापित करने का अभियान चलाया गया। योगी सरकार यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक अभिनव योजना भी प्रारंभ करने जा रही है जिसके अंतर्गत किसान एक से चार गोवंश को गोद ले सकेंगे। इससे गोवंश के संरक्षण के साथ ही गो आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। योजना के अंतर्गत जिन किसानों को गोवंश मिलेगा उनके आवासीय परिसर में ही मनरेगा के अंतर्गत व्यक्तिगत कैटल शेड बनाए जएंगे। वहीं छोटी बायोगैस यूनिट भी लगाई जाएगी। महिला स्वयं सहायता समूहों और नवयुवकों को इसमें विशेष रूप से अवसर दिया जायेगा। इस योजना को एकीकृत ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जिसमें गोवंश संरक्षण, जैविक खेती, ऊर्जा उत्पादन और सामाजिक स्वावलंबन जैसे पक्ष सम्मिलित हैं। यद्यपि प्रदेश सरकार गोवंश को संरक्षित व विकसित करने के लिए संकल्पवान है तथा प्रदेश में गोवध काफी हद तक थमा है किंतु अभी भी स्थानीय कारकों की वजह से व चोरी छिपे गोवध व गो तस्करी जारी है। प्रदेश में आए दिन गो तस्करों की पुलिस से मुठभेड़ हो रही है। 2017 के पहले ही अपेक्षा अब प्रदेश पुलिस गोवध व तस्करी की घटनाओं की गंभीरता से पड़ताल कर रही है और अपराधियों को न्याय के कठघरे में ले जाने का प्रयास कर रही है।

इंदौर का स्वच्छता मॉडल जीवनशैली में बदलाव का अभियान

हर्षवर्धन पाण्डेय

> **इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्य प्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है।**

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्य प्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है। बाबा महाकाल की उज्जैन नगरी को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर बन कर उभरा है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की प्रेरणा और जनभागीदारी इस सफलता का आधार रहा। इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है। इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं। इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरुकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है। इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-मीथेन गैस प्लांट स्थापित किया गया है जो गीले कचरे से बायो-गैस और खाद उत्पादन करता है। इसके अतिरिक्त, भारत का पहला पीपीपी मॉडल आधारित हरित कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी इंदौर में स्थापित है जो लकड़ी और पत्तियों से पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाता है।एक दौर ऐसा भी था जब इंदौर की सड़कों पर कचरा देखा जाता था लेकिन आज यह शहर कचरे से सीएनजी और खाद बनाने में अग्रणी है। इंदौर नगर निगम ने कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को सुनिश्चित किया है।नगर निगम ने स्वच्छता के लिए कई नवाचार किए हैं। प्रत्येक घर से कचरा एकत्र करने के लिए उसने अनेक वाहन तैनात किए जिसने गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाया। भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर ने न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर ने लगातार आठ वर्षों (2017-2024) तक स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है जो अपने आप में मध्य प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज इंदौर का स्वच्छता मॉडल जनभागीदारी, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का एक अनूठा संगम बना है। यह मॉडल न केवल भारत के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुका है। इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन ने प्रतिदिन स्वच्छता को प्राथमिकता देने का काम किया है। नगर निगम ने कचरा प्रबंधन के लिए नवाचारी योजनाएं बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया, जिससे इंदौर की जनता ने स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया। इंदौर ने न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि यह अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छता लीग में शीर्ष स्थान और लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतना इंदौर की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह शहर न केवल स्वच्छता, बल्कि नागरिकों की जागरूकता और प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक बन चुका है। देश की सर्वश्रेष्ठ राजधानी के रूप में भोपाल ने स्वच्छता के क्षेत्र में भी आदर्श प्रस्तुत किया है। विभिन्न श्रेणियों में ग्वालियर, देवास, शाहगंज और जबलपुर भी पुरस्कृत किए गए हैं। इंदौर का स्वच्छता मॉडल न केवल एक शहर की स्वच्छता की कहानी है बल्कि यह दर्शाता है कि सामूहिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। यह मॉडल न केवल स्वच्छ भारत मिशन का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का भी एक जीवंत उदाहरण है। यह मॉडल पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक जीवनशैली हो सकती है।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

> **देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता–सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई। विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है।**

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई। विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है। विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं। क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

वायरल वीडियो से खुली मिलावटी शराब की पोल, कारोबारी गिरफ्तार

- बांगरमऊ में आबकारी और पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई, 40 पौवों समेत मिलावटी सामग्री बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने पुलिस और आबकारी विभाग को सक्रिय कर दिया। वीडियो में देशी शराब के पौवे में सिरिंज से शराब निकालकर मिलावट करते हुए युवक का दृश्य सामने आया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस और आबकारी टीम ने मिलावटी शराब का अवैध धंधा करने वाले कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की पुष्टि करते हुए आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच पड़ताल की गई। जांच के दौरान सामने आया कि विमल गुप्ता उर्फ बिल्लू पुत्र विनोद कुमार, निवासी नौबतगंज, बांगरमऊ अवैध शराब कारोबार में संलिप्त है।

संयुक्त टीम द्वारा दबिश के दौरान उसके पास से एक प्लास्टिक बोरी में 40 देशी शराब के पौवे, 700 मिलीलीटर मिलावटी शराब एक प्लास्टिक बोतल में, तथा एक प्लास्टिक की पन्नी में संदिग्ध सफ़ेद पाउडर बरामद हुआ। कार्रवाई के बाद आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

प्रशासन ने दी सख्त चेतावनी

वहीं प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया है कि अवैध व मिलावटी शराब का धंधा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जा रही है और लगातार छापेमारी की कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रसव के दूसरे दिन नवजात की मौत, सदमे में मां की भी गई जान

बांगरमऊ (उन्नाव)। सीएचसी में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। प्रसव के दूसरे दिन नवजात शिशु की मौत हो गई और यह सदमा मां बर्दाश्त नहीं कर सकी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। यह हादसा स्टाफ की लापरवाही से जुड़ा बताया जा रहा है। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गौरिया कला गांव के मजरा फतेहपुर निवासी 32 वर्षीय ज्योति देवी को गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया गया था। करीब आधे घंटे में ही उन्होंने सामान्य प्रसव से बेटे को जन्म दिया। शुक्रवार तड़के किसी परिजन ने नवजात को पैकेट का ठंडा दूध पिला दिया, जो उसकी सांस नली में फंस गया। सुबह करीब 4 बजे ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. पियूष ने जांच की तो नवजात मृत मिला। बेटे का शव देखकर ज्योति देवी बेहोश होकर गिर पड़ीं और उनकी भी मौत हो गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. मुकेश सिंह ने घटना की पुष्टि की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स मरीजों की देखरेख की बजाय कार्यालय में चारपाई डालकर सो जाती हैं।

विमल द्विवेदी ने 200 से अधिक जगहों पर कराई पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था

- नर सेवा-नारायण सेवा अभियान के तहत चलाया अभियान, नांद व बर्तन रखवा आमजन से की अपील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' से प्रेरणा लेकर उन्नाव के भाजपा नेता एवं ''नर सेवा - नारायण सेवा'' समिति के संस्थापक विमल द्विवेदी ने बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए एक सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने भीषण गर्मी में 200 से अधिक स्थानों पर नांद व पानी के बर्तन रखवाकर गायों, पशुओं और पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था कराई है।

विमल द्विवेदी ने बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से इस सेवा कार्य में लगी है, लेकिन इस वर्ष प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 120वें संस्करण में जब पशु-पक्षियों के लिए गर्मी में पानी की व्यवस्था करने की अपील की गई, तो इसे अभियान के रूप में और भी व्यापक स्तर पर शुरू किया गया। वर्ष अभियान की शुरुआत भाजपा जिला कार्यालय से की गई थी। इसके बाद आदर्श नगर, पीड़ी, शिव नगर, आवास विकास, पीतांबर नगर, काशीराम कॉलोनी, कल्याणी देवी, लोगनगर, ज़ुरा खन खेड़ा, साईं पुरम, एबी नगर, गदनखेड़ा, हुसैन नगर, मोती नगर, बाबूगंज, गांधी नगर आदि क्षेत्रों में अब तक कुल 205 स्थानों पर नांद और पानी के बर्तन रखवाए जा चुके हैं।

इस सेवा कार्य को स्थानीय लोगों से सहयोग लेकर आगे बढ़ाया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे भी अपने घरों के बाहर और मोहल्लों में बेजुबानों के लिए पानी की व्यवस्था करें। इस पहल से कई बस्तियों में सकारात्मक संदेश गया है। इस अभियान में जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, मुकेश दीक्षित, शिवम शुक्ला, केतन अवस्थी, अखिल मिश्रा, अभी तिवारी, अभिषेक तिवारी और राकेश राजपूत लगातार सेवा कार्यों में लगे हुए हैं।

स्कूलों को मर्ज किए जाने पर जताया विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पुवायां क्षेत्र के ग्राम सरैया में तमाम अभिभावकों ने जताया विरोध ,दूसरा गांव काफी दूर, जंगली जानवरों से बच्चों को खतरा

स्कूलों को मर्ज किए जाने के खिलाफ गांव-गांव जन आक्रोश बढ़ता ही चला जा रहा है। जैसे-जैसे दूसरे गांव के मर्जर वाले स्कूल में बच्चे जा रहे हैं , उनके अभिभावकों के सामने अनेक परेशानियां खड़ी हो रही हैं ।आज पुवाया विकास क्षेत्र के सरैया गांव में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने एकत्र होकर गांव के स्कूल का दूसरे स्कूल में मर्ज किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया।

गांव सरैया से टकेली जाने वाले रास्ते पर अक्सर छुट्टा पशु और सियार आदि घूमते रहते हैं । बच्चों को आवारा कुत्तों के द्वारा दौड़ाए जाने का भी सामना हो चुका है। गांव के बच्चों की माताएं अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती है और यह चिंता उन्होंने आज एक साथ एकत्र होकर व्यक्त की । परेशानियों को देखते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि कि जब तक उनका स्कूल वापस नहीं किया जाता तब तक वह वोट नहीं करेंगे। महिला अभिभावकों ने कहा कि गांव का विद्यालय हमारे लिए गर्व का केंद्र है। विद्यालय को खत्म कर दिए जाने से हमारे गांव का अपमान हुआ है । उन्होंने यह भी कहा कि सांसद और विधायक को हमारी बात सुनने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

एकत्रित ग्रामीणों में प्रेमपाल, श्री चंद, धर्मपाल, बालिस्टर, सुरेंद्र राम भरोसे, राम रतन, नंदलाल, बृजपाल, रामगोपाल, मुनेश्वर, नन्ही, रामगुनी, राजकुमारी, नीरज देवी, अनीता, विनीता, राधा जमुना देवी, राजेश्वरी, विमल, शरबती, शांति देवी, रेखा, शकुंतला, मंजू, कमला, संता, गुड्डी, आशीष, राहुल, गयादीन आदि तमाम लोग थे।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने विरोध किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हरियाणा में दलित परिवार के साथ की गई बदसलूकी से नाराज कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा

शाहजहांपुर। आज दिनांक 18 जुलाई 2025 को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि जिला शाहजहांपुर के नेतृत्व में सैकड़ो महिलाएं कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय पर इकट्ठा हुए तथा वहां से पैदल जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी महोदय को दिया गया जो नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह ने लिया अर्चना वाल्मीकि ने हरियाणा प्रदेश के जनपद हिसार में विगत कुछ दिनों पूर्व एक दलित(वाल्मीकि) परिवार में जन्मदिन का आयोजन चल रहा था जिसमें दलित समाज के 16 वर्षीय युवक का घर में जन्मदिन का कार्यक्रम चल रहा था वहीं रास्ते से गुजरते समय पांच पुलिसकर्मियों म्यूजिक की आवाज सुनकर घर में घुस गए और म्यूजिक बंद करने के लिए लोगों के साथ मारपीट करने लगे इसी बीच जिस बालक (गणेश)का जन्मदिन था वह अपनी जान बचाने के लिए छत पर भाग गया तभी नशे में धुत दो पुलिसकर्मी उसका पीछा करते हुए छत पर पहुंच गए और उसके साथ मारपीट की तथा छत से नीचे फेंक दिया जिससे मौके पर ही गणेश की मृत्यु हो गई

जिला अध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि ने कहा जब से भाजपा सरकार बनी है तभी से लगातार दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं दलितों के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है कही दलित को घोड़ी पर चढ़ने पर मारा जाता है तो कहीं पर बाल काट दिए जाते हैं कहीं पर मूंछ रखने पर मारा जाता है ये सरकार का भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाऐ हुए हैं।

भारत में जिन-जिन प्रदेशों में भाजपा की सरकार है वहां लगातार नारियों पर तथा दलितों पर अल्पसंख्यकों पर किसानों पर अत्याचार हो रहे हैं और वहां की सरकारी मूकदर्शक तमाशा देख रही हैं अर्चना वाल्मीकि ने कहा यही रवैया अगर भाजपा का रहा तो 2027 में इसका खामियांजा भाजपा सरकार को भुगतना पड़ेगा महिला कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष सीमा गौतम ने आए हुए सभी महिलाओं तथा पुरुषों का आभार व्यक्त किया।

उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सईद अंसारी, एडवोकेट मुरारी लाल भास्कर,संजीव चौधरी, तस्दीक अंसारी,इरशाद खान, रोहित जट, आजम शाह, फरमान खान, शाहबेज उर्फ शाका, शाहिना खातून, जितेन्द्री देवी, विमला देवी, रामदेवी ,रीता, नूरजहां, तबस्सुम ,बेबी, नसीम बानो, नूरी, संगीता, विनीता, बिटोली देवी, विमला, रूबी शाह आदि महिलाएं उपस्थित रहीं ।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिविर में 40 बच्चों का हुआ चिन्हांकन

जसपुरा (बांदा)। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से गुरुवार को बीआरसी भवन जसपुरा में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समग्र शिक्षा के तहत 6 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन किया गया। कुल 40 बच्चों का ऑफलाइन फार्म भरते हुए प्रमाणपत्र हेतु चयन किया गया। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एन. मिश्रा, और नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश गुप्ता समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी व स्टाफ मौजूद रहे। किशन, कनिष्ठ सहायक ने बताया कि चिन्हित किए गए बच्चों को अब ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग द्वारा निर्धारित तिथि पर लाभार्थियों को बुलाया जाएगा, जहां उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। शिविर में क्षेत्र से आए दिव्यांग बच्चों ने चिकित्सीय परीक्षण कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाना और उन्हें शिक्षा तथा जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।

हमीरपुर राजकीय मार्ग पर भाथा के पास पांच घंटे तक लगा जाम, राहगीर हुए परेशान

जसपुरा (बाँदा)। बाँदा-हमीरपुर राजकीय राज्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह भाथा के पास पांच घंटे लंबा जाम लग गया। यह जाम तड़के करीब 4रू30 बजे शुरू हुआ और सुबह 9रू30 बजे तक दोनों ओर का आवागमन पूरी तरह ठप रहा। भारी बारिश और तेज तूफान की वजह से भाथा के पास बाबूल के कई पेड़ सड़क पर गिर गए, जिससे यातायात अवरुद्ध हो गया। अचानक लगे इस जाम में सरकारी बसें, ट्रक, और कई छोटे वाहन फंसे रह गए। यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ राहगीर तो भाथा से जसपुरा तक पैदल ही चल दिए। सूचना मिलते ही जसपुरा थाना प्रभारी अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुँची और पेड़ों को हटाकर मार्ग को साफ कराया। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद सड़क पर यातायात बहाल हो सका।स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश और तूफान से पहले ही प्रशासन को पेड़ों की छंटाई करवा देनी चाहिए थी, ताकि ऐसी समस्या से बचा जा सके।

लोहे की रॉड से युवक को पीटा, हालत गंभीर

सफीपुर (उन्नाव)। मवई लाल गांव में मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने दूसरे युवक पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गांव निवासी रामजीवन पुत्र बांके ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा अखिलेश दरवाजे पर बैठा था। इसी दौरान गांव का ही दीपू पुत्र बुद्धी वहां आकर गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर दीपू ने लोहे की रॉड से अखिलेश के सिर और शरीर पर कई वार किए जिससे वह लहूलुहान हो गया।

अतिक्रमण पर कार्रवाई को लेकर 21 जुलाई को टास्क फोर्स की बैठक

पुरवा (उन्नाव)। क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जों को लेकर गठित टास्क फोर्स की बैठक 21 जुलाई को तहसील सभागार में एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश के शासनादेश के अनुपालन में यह बैठक आयोजित की जा रही है। एसडीएम ने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी (पुरवा व मौरावां), खंड विकास अधिकारी (पुरवा, असोहा, हिलौली), क्षेत्रीय वन अधिकारी और संबंधित थाना प्रभारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नगर पंचायत मौरावां का होगा सीमा विस्तार, 22 जुलाई को बैठक

पुरवा (उन्नाव)। नगर पंचायत मौरावां के सीमा विस्तार को लेकर 22 जुलाई को एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक तहसील सभागार में आयोजित होगी, जिसमें क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षकों, रजिस्ट्रार कानूनगो, तहसीलदार और अधिशासी अधिकारी मौरावां को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र का किया भ्रमण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2025-26 में संचालित जे0ई0ई0, नीट एवं सिविल सेवाओं आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा केन्द्र, अभ्युदय कोचिंग का भ्रमण कर जायजा लिया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप पटेल ने बताया कि यह परीक्षा 02 पालियों में आयोजित की गयी।

प्रथम पाली में जे0ई0ई0 व नीट कोर्स से सम्बन्धित कुल 149 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 95 प्रतियोगी छात्र/छात्राएं तथा सिविल सेवा के लिए 68 आवेदकों के सापेक्ष 58 आवेदक प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग किये। यह परीक्षा सकुशल एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी नदियों के जल स्तर पर रख रहे सतर्क निगरानी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उप जिलाधिकारियों को जनपद में विगत वर्षों में बाढ़ से प्रभावित रहे ग्रामों में सतर्क निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई विगत वर्षों में बाढ़ से प्रभावित रहे ग्रामों का नियमित रूप से भ्रमण कर गंगा नदी एवं यमुना नदी के जलस्तर का अवलोकन कर रहे हैं। अधिशासी अभियंता सिंचाई ने बताया कि जनपद में अभी बाढ़ की कोई स्थित नहीं है। जनपद में गंगा व यमुना नदी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। वन विभाग चायल रेंज द्वारा पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत आयोजित एक पेड़ मां के नाम विशिष्ट गोपाल वन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जीवनगंज से रोही पुल रेलवे लाइन दांयी पट्टी में प्रकृति संरक्षण के संकल्प को सार्थक करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी द्वारा पौधारोपण किया गया। इस दौरान अध्यक्ष द्वारा उपस्थित वनकर्मियों से कहा कि पौधारोपण करने के बाद इसका संरक्षण करना भी बहुत आवश्यक है। नियमित इनका देखभाल होना चाहिए तभी पौधारोपण का उद्देश्य सफल होगा। इस अवसर पर वन दरोगा भरत लाल पांडेय, वन दरोगा अमित कुमार व वन रक्षक अजय कुमार पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पोषण का उठान कराकर एक सप्ताह के अन्दर वितरण करायें : डीएम

- जिला पोषण समिति एवं जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे0रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेझट सभागार में जिला पोषण समिति एवं जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बीडीओ एवं सीडीपीओ को निर्देश दिये कि पोषाहार के अन्तर्गत पोषण का उठान कराकर एक सप्ताह के अन्दर वितरण करायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि जिस विकास खण्ड में पोषाहार प्राप्त हो गया है, उसे तत्काल विरण कराने के निर्देश सीडीपीओ एवं सुपरवाइजरों को दिये। उन्होंने पोषाहर वितरण में गुणवत्ता एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सम्भव अभियान पोर्टल में गर्भवती महिलाओं का वजन कराकर फीड कराये जाने, एएलसी की जांच कराये जाने एवं वीएचएसएनडी दिवसों के आयोजन तथा आंगनबाडी द्वारा ग्रह भ्रमण की सूचना भी फीड कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनबाडी केन्द्रों के निर्माण की स्थिति की समीक्षा करते हुए नयें आंगनबाडी केन्द्रों पर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। आंगनबाडी केन्द्रों में बालमैत्रिक शौचालय निर्माण कराये जाने तथा पीएम मातृत्व वन्दना योजना में लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों एवं सीडीपीओ को अन्य शेष निर्माणाधीन आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण कर निर्माण की स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कायाकल्प के अन्तर्गत आंगनबाडी केन्द्रों में प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये तथा पिपरहरी में बाह्य विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु डीपीआरओ एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

पत्रकार पर मुकदमे के विरोध में कमलकारों का प्रदर्शन

बाँदा। जनपद जौनपुर के पत्रकार तामीर हसन शीबू पर दर्ज झूठे मुकदमे की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जौनपुर जनपद के जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू द्वारा होप फैमिली हास्पिटल में व्याप्त अनियमितताओं एवं जनहित से जुड़ी खबर को प्रकाशित किया गया था। यह कार्य पूर्णतः लोकतांत्रिक और पत्रकारिता के मूलभूत कर्तव्यों के अंतर्गत था। लेकिन संबंधित संस्थान व प्रभावशाली लोगों के दबाव में आकर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने शीबू पर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया, जो कि प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। यह न सिर्फ एक पत्रकार की आवाज़ को दबाने की कोशिश है, बल्कि प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह है। हम राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की ओर से निम्नलिखित मांग करते हैं कि तामीर हसन शीबू पर दर्ज मुकदमे की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए एवं दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मूलसाधार बारिश से बहा मकान, दो मासूम बच्चों की मौत

- हादसे में सात हुए घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिले में बीते 24 घंटे से लगातार रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। बारिश की वजह से कई कच्चे मकान धराशायी हो गए हैं। सबसे दर्दनाक हादसा बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन के पिपरी खेरवा गांव में हुआ, जहां एक कच्चा मकान गिरने से एक ही परिवार के नौ लोग मलबे में दब गए। हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

पिपरी खेरवा गांव निवासी मनोज कुशवाहा का परिवार शुक्रवार तड़के करीब 2 बजे अपने कच्चे मकान में सो रहा था कि तभी मकान अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। हादसे के वक्त सभी सदस्य गहरी नींद में थे, जिससे वे संभल भी नहीं सके और मलबे में दब गए। पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन दो घंटे तक कोई मदद नहीं पहुंची। इसी बीच मनोज कुशवाहा के रिश्तेदार धीरज कुशवाहा अपनी गाड़ी लेकर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। सभी घायलों को निजी साधनों से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने 4 वर्षीय आरती और 7 वर्षीय धर्मेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक महिला समेत दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। परिवार का आरोप है कि यदि समय पर एम्बुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंच जाती, तो शायद बच्चों की जान बचाई जा सकती थी।इसी थाना क्षेत्र के दफ्तरा गांव में भी बारिश ने कहर बरपाया। यहां राम सिया पटेल का कच्चा मकान गिर गया, जिससे दो दुधारू भैंसों समेत कुल पांच मवेशियों की मौत हो गई। हादसे में 25 क्विंटल धान और अन्य घरेलू सामान भी नष्ट हो गया। घटनाओं की जानकारी मिलते ही शुक्रवार सुबह जिलाधिकारी जे. रीभा जिला अस्पताल पहुंचीं और घायलों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हादसे में दो बच्चों की जान गई है, दो अन्य की स्थिति गंभीर है और बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। डीएम ने भरोसा दिलाया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार पात्र परिवारों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

भारी बारिश से ढहे कच्चे मकान, कई परिवार खुले आसमान के नीचे

जसपुरा (बांदा)। जसपुरा क्षेत्र में पिछले दिनों हुई भारी बारिश ने ग्रामीणों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार को तेज बारिश के चलते नाँदादेव, मथुरापुरी और ग्राम पंचायत जसपुरा के मजरे विलौड़ा डेरा व महिला डेरा में कई कच्चे मकान धराशायी हो गए। इससे ग्रामीणों के सामने रहने-खाने का संकट खड़ा हो गया है। मथुरापुरी निवासी सुरेंद्र कुमार व अरविंद कुमार पुत्रगण बाबा दीन, नाँदादेव निवासी भूरी पत्नी रामबाबू, विलौड़ा डेरा के स्वामी दीन निषाद, राकेश पुत्र धनीराम निषाद, और महिला डेरा की फुलिया पत्नी राकेश का मकान पूरी तरह गिर गया। पीड़ित परिवारों के पास अब न तो रहने को छत है, न ही जरूरी सामान बचा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक मदद की मांग की है। पीड़ितों का कहना है कि यदि समय रहते राहत नहीं मिली, तो उनका जीवन और कठिन हो जाएगा। स्थानीय लोगों ने तहसील प्रशासन से मौके पर टीम भेजकर सर्वे कराने और आपदा राहत के तहत मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

बिजली विभाग की ढिलाई पर भड़के सीडीओ, सड़कों से जल्द शिफ्ट हों ट्रांसफार्मर-पोल, विद्युत आपूर्ति में लाए सुधार

- हर क्षेत्र में मिले स्थिर आपूर्ति, फाल्ट का हो समयबद्ध निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में चल रहे विकास कार्यों की रफ्तार थमती देख सीडीओ अभिषेक कुमार सख्त हो गए हैं। शुक्रवार को विकास भवन में उन्होंने कार्यदाई संस्थाओं और विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में खासतौर पर उन प्रमुख सड़कों की चर्चा हुई, जिनके सुढ़णीकरण और चौड़ीकरण कार्य में विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर रोड़ा बने हुए हैं। सीडीओ ने साफ शब्दों में कहा कि डॉन बॉस्को-राजापुर मार्ग, एलआरपी-इंदिरा मनोरंजन पार्क मार्ग समेत जिले के 18 प्रमुख मार्गों पर विद्युत पोल और ट्रांसफार्मरों की शिफ्टिंग में शिथिलता दिखाई जा रही है, जिससे निर्माण कार्य समय से पूर्ण नहीं हो पा रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण जैसे सार्वजनिक हित के कार्यों में कोई भी देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीडीओ ने विद्युत विभाग की कार्यशैली पर नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही विकास कार्यों की प्रगति को बाधित कर रही है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोल व ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराएं, इसके लिए विभागीय समन्वय और टाइमलाइन आधारित कार्रवाई जरूरी है। सीडीओ ने कहा कि जहां भी कार्य शिथिल पड़ा है, वहां की जमीनी हकीकत देखकर स्वयं निरीक्षण कर जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने चेताया कि यदि कार्य में लापरवाही या लटकाने की प्रवृत्ति पाई गई तो संबंधित अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में सीडीओ ने विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समयबद्ध और स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसी भी क्षेत्र में बार-बार बिजली फाल्ट की शिकायतें आना गंभीर विषय है। उन्होंने अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि बिजली से संबंधित शिकायतों की मॉनिटरिंग स्वयं करें और साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि ल्लजनहित के कार्यों में कोताही करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा।

खडेश्वरी कांवड़ लेकर जलाभिषेक करने आए श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई

गोला गोकर्णनाथ खीरी। फर्रुखाबाद से गोला शुक्रवार को मोहल्ला नीची भूड निवासी महंत सुमित भारद्वाज के नेतृत्व में खडेश्वरी काँवर लेकर जलाभिषेक करने आए दल का सदर चौराहे पर पालिका अध्यक्ष के अनुज अमित शुक्ला पिंटू एवं भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा खड़ेश्वरी काँवर दल के कांवरियों पर पुष्प वर्षा कर छोटी काशी गोला फूल बरसा कर स्वागत किया गया। पुष्प वर्षा में भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, भाजपा कुम्भी मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार, नगर महामंत्री राजेश राठौर ,भाजपा मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा ,युवा मोर्चा नगर नगर महामंत्री हिमांशु सिंह, नगर कोषाध्यक्ष विमलेश वर्मा ,आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ध्रुव की कथा सुनाई: भगवान विष्णु की भक्ति का अद्वितीय उदाहरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। छोटी काशी स्थित सांई मैरिज लान में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा ब्यास संजीवनी मिश्रा ने ध्रुव की कथा का वर्णन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ध्रुव कथाओं में एक प्रसिद्ध भक्त हैं, जिनकी कहानी श्रीमद् भागवत पुराण में वर्णित है।

ध्रुव राजा उत्तानपाद और रानी सुनीति के पुत्र थे, लेकिन राजा की दूसरी पत्नी सुरुचि के कारण उन्हें अपमानित किया गया और उन्होंने घर छोड़ दिया। इसके बाद ध्रुव ने भगवान विष्णु की कठोर तपस्या करने का संकल्प लिया और उन्हें ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र दिया गया। छह महीने तक तपस्या करने के बाद भगवान विष्णु ने ध्रुव को दर्शन दिए और उन्हें अपनी गोद में बैठा लिया। ध्रुव की भक्ति और दर्शन के कारण उन्हें ध्रुव तारे के रूप में स्थापित होना पड़ा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य पटेल शिखा कनौजिया, अशोक कनौजिया, प्रियंका वर्मा, सतीश वर्मा, विधायक प्रतिनिधि जवाहरलाल वर्मा, राम मोहन सोनी, डॉक्टर मनोज वर्मा, प्रधान श्याम देव वर्मा, श्यामू गुप्ता, रामगोपाल यादव, रामपाल वर्मा, राधेश्याम वर्मा, कल्पना वर्मा, अंजली वर्मा और श्रवण पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कृभकों की दुकान पर यूरिया के लिए सैकड़ो किसानों की भीड़

महीनों से प्राइवेट दुकानों पर नहीं है यूरिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गन्ने और खरीफ की फसल के लिए किसानों को इस समय यूरिया की जरूरत है किंतु नगर में कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड की अधिकृत दुकान के अलावा कहीं भी यूरिया नहीं है इस कारण रोज वहां हजारों किसानों की भीड़ उमड़ रही है। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड की एक दुकान पर कुछ दिन पूर्व भारी भीड़ के कारण हंगामा हो गया था तो प्रशासन में वहां विकासखंड कुंभी के कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी थी, तबसे किसान सुबह 5:00 बजे से लाइन में लग जाते हैं पहले दिन उन्हें टोकन दिया जाता है खाद का वितरण टोकन पर दूसरे दिन किया जाता है सिर्फ एक दुकान पर खाद होने के कारण किसान तपती धूप में गर्मी में खड़े रहने को विवश हैं। वैसे तो इस नगर और आसपास के ग्रामों में कई प्राइवेट यूरिया खाद बनाने वाली कंपनियों के डीलर और दुकानदार हैं किंतु उनके पास कई महीनो से यूरिया उपलब्ध नहीं है जो जांच का विषय है।

सहकारी समितियों पर भी जो थोड़ी बहुत यूरिया आई थी वह उधार में सदस्य किसानों को बांट दी गई किंतु पर्याप्त यूरिया न मिलने से किसानों की गन्ने और रबी की फसल चौपट हो रही है।

विनोद कुमार वर्मा बनाए गए समाजवादी पार्टी मजदूर सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

लखीमपुर खीरी। कल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित दारुल सफ़ा बी ब्लॉक के कॉमन हाल (विधायक निवास) में समाजवादी मजदूर सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्य मंत्री राहुल निगम वारसी की अध्यक्षता में हुआ,बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी की अनुमति से ,प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की सहमति से राहुल निगम वारसी ने लखीमपुर खीरी निवासी विनोद कुमार वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की बधाई व शुभकामनाएं दी, विनोद कुमार वर्मा पूर्व में समाजवादी पार्टी की राज्य कमेटी में सदस्य,सचिव आदि दायित्वों का निर्वहन कर चुके है वह गन्ना संघ लखनऊ उ0प्र0 के पूर्व सदस्य भी रहे है राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित होने के बाद जनपद खीरी के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह का माहौल है विनोद वर्मा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी को विश्वास दिलाते हुए कहा कि पार्टी को और मजबूत करने का कार्य करूंगा।

नाजिमपुर में सड़क की खस्ता हालत से परेशान हुए स्थानीय निवासी

प्रधान प्रतिनिधि पर वादाखिलाफी का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकरा के वार्ड नंबर 5 में स्थित मोहल्ला नाजिमपुर के निवासियों ने अपनी सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है। इस प्रमुख मार्ग पर साल के अधिकांश महीनों में जलभराव की समस्या बनी रहती है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन उर्फ़ सिम्मी ने पंचायत चुनाव के समय इस मार्ग पर इंटरलॉकिंग लगवाने का वादा किया था, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निवासियों का कहना है कि प्रधान प्रतिनिधि का वचन पर वचनबद्ध ना रहना शर्मनाक है।

आजम खान, आसिफ हुसैन, फैजान हुसैन, आसिफ सिद्दीक़ी, मोबीन खान, गुफरान सिद्दीक़ी, बबलू सिद्दीक़ी, अनिल राठौर, राजेश राठौर, सद्दाम समेत कई स्थानीय निवासियों ने एडियो पंचायत आरिफ खान से मिलकर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। निवासियों ने कहा कि इस खस्ता हाल और जर्जर मार्ग पर बदबूदार गंदा पानी और कीचड़ से निकलने में जनता को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन उर्फ़ सिम्मी ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 5 में स्थित मोहल्ला नाजिमपुर में इस खस्ता हाल और जर्जर मार्ग से वासियों को गुजरने से हो रही दिक्कतों से निजात दिलाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने कहा कि शासन से धन निर्गत होते ही जर्जर मार्ग पर इंटरलॉकिंग करा दी जाएगी। अब देखना यह है कि कब तक इस समस्या का समाधान होता है और स्थानीय निवासियों को राहत मिलती है।

अवैध ई-रिक्शा व एनएचआई की लापरवाही पर डीएम सख्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं, ट्रैफिक अव्यवस्था और अनियमित वाहनों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ल्लसड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जाएगा।ङ्क बैठक के दौरान पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई और कई अहम बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश जारी किए गये। बैठक में जिलाधिकारी ने अवैध और अपंजीकृत ई-रिक्शों पर अभियान न चलाने को लेकर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) को फटकार लगाई। उन्होंने बताया कि पूर्व बैठक में 43 ई-रिक्शा ऑनर्स के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया गया था, लेकिन अब तक केवल 07 पर ही कार्रवाई हुई है।

गोकशी की घटनाओं से आक्रोशित हुए हिंदूवादी संगठन, कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के नगरा सलेमपुर इमलिया के पास गन्ने के खेत में 10 दिन में दो बार हुई गोकशी की घटना ने हिंदूवादी संगठनों को आक्रोशित कर दिया है। राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय लखीमपुर को सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के जिला उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता ने बताया कि बीती रात फिर एक गौवंश की हत्या कर दी गई। उन्हें सूचना मिली कि गन्ने के खेत में गौवंश की हत्या की गई है। जब वे मौके पर पहुंचे, तो देखा कि प्रशासन द्वारा गौवंश के अवशेष को दफनाया जा रहा था। अनूप गुप्ता ने पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित खाद्यान्न से फोन पर संपर्क किया, जिन्होंने बताया कि उन्हें हैदराबाद प्रशासन से गोकशी की सूचना मिली थी। उनकी टीम ने मृत गौवंश का सैंपल लिया और जांच के लिए मथुरा पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय भेजा। अनूप गुप्ता ने कहा कि पुलिस प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, तभी गोकशी की घटनाएं बंद होंगी। उन्होंने कहा कि जिला खीरी में अलग-अलग स्थानों पर गोकशी की घटनाएं होती रहती हैं, जिससे हिंदूवादी संगठनों में नाराजगी है। दोषियों के खिलाफ जल्द मुकदमा दर्ज करके आरोपी को जेल भेजना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में अनूप गुप्ता, मोहित राठौड़, विकास सोनी, अंकित हिंदू, रवि हिंदू, जीतू हिंदू, ऋषि गुप्ता, राहुल गुप्ता, प्रशांत, दीपचंद गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, शिव कुमार और नीरज तिवारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम ने दिया पारदर्शी टोकन प्रणाली लागू करने के निर्देश

- डीएम-एसपी ने खाद वितरण केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में खाद वितरण व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने शुक्रवार को तीन वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एआरसीएस रजनीश प्रताप सिंह और विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत ओयल क्षेत्र स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी पैक्स) पुरवा सावल समिति से की गई, जहां डीएम ने उर्वरक वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली एवं समिति सचिव को जरूरी दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान खाद के स्टॉक व अभिलेखों की जांच की तथा किसानों से संवाद कर वितरण की वस्तुस्थिति जानी गई।

इसके बाद भुलनपुर स्थित बी पैक्स समिति का निरीक्षण किया। यहां पहले से ही एसडीएम मितौली रेनू मिश्रा निरीक्षण में जुटी मिली। डीएम-एसपी ने समिति में खाद भंडारण, वितरण प्रणाली और अभिलेखों की स्थिति का जायजा लिया।

मौके पर मौजूद किसानों से संवाद कर उनकी संतुष्टि की स्थिति को भी जाना। निरीक्षण के क्रम में राजापुर मंडी स्थित इफको किसान सेवा केंद्र का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर जिला प्रबंधक अरविंद कुमार द्वारा अवगत कराया कि अब तक 222 पुरुष एवं 39 महिला किसानों को टोकन वितरित किए जा चुके हैं तथा टोकन क्रम के अनुसार खाद का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि खाद वितरण हेतु टोकन प्रणाली लागू की जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि टोकन धारकों को निर्धारित मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए और किसी भी दशा में कोई भी किसान निराश न लौटे।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन समिति पर खाद वितरण हो रहा है, वहां उस क्षेत्र की खाद उपलब्धता वाली निजी दुकानों की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। लेखपाल यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अधिकृत विक्रय केंद्र समय से खुलें एवं खाद का वितरण शासन द्वारा निर्धारित दरों एवं मापदंडों के अनुसार हो। एसपी संकल्प शर्मा ने खाद वितरण स्थलों पर तैनात पुलिस कर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं किसानों की सुविधा हेतु सतर्क रहते हुए कर्तव्यों के निर्वहन के निर्देश दिए।

डीएम के निर्देश पर एसडीएम का एक्शन मोड, खाद वितरण पर कस गई निगरानी

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर जिले के सभी एसडीएम ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित सहकारी समितियों और निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक के स्टॉक, वितरण प्रक्रिया और अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा की गई। प्रत्येक केंद्र पर लेखपालों की मौजूदगी सुनिश्चित कराई गई थी, जो मौके पर व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद दिखे। किसानों को समय से खाद उपलब्ध कराने और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

मैलानी नगर पंचायत में भूमि पैमाइश

- रेलवे विभाग की नीलामी प्रक्रिया के बीच महत्वपूर्ण कदम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी ने पैमाइश को लेकर व्यापारीयों से कहा किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा हर संभव हर प्रयास किया जाएगा पैमाइश के दौरान अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी मौके पर पहुंच कर पैमाइश की जान कारी ली मामला मैलानी नगर सीमान्तर्गत सड़क डिस्ट्रिक्ट बोर्ड में दर्ज भूमि गाटा संख्या 1013 (2.67 हेक्टेयर) और गाटा संख्या 1014 (1.117 हेक्टेयर) की पैमाइश नायब तहसीलदार सर्वेश यादव के नेतृत्व में की गई। यह पैमाइश रेलवे क्रॉसिंग से लेकर रेलवे स्टेशन गेट के पहले तक रोड के दोनों तरफ की गई है।

नगर पंचायत कार्यालय ने उप जिलाधिकारी गोला गोकर्णनाथ खीरी को पत्रांक संख्या 305 दिनांक 12/06/25 और पत्रांक संख्या 265 दिनांक 28/06/25 के माध्यम से पैमाइश के लिए अनुरोध किया था। इसके अलावा, एक प्रतिलिपि सूचनार्थ हेतु सहायक मंडल इंजीनियरिंग को भी प्रेषित की गई थी। नगर पंचायत कार्यालय ने तीसरे पत्र के माध्यम से पुनः उप जिलाधिकारी को अवगत कराया गया था। उप जिलाधिकारी ने पत्रों का संज्ञान लेते हुए दिनांक 17/07/25 को पैमाइश करने हेतु एक टीम का गठन किया था। 18/07/25 को नायब तहसीलदार सर्वेश यादव के नेतृत्व में पैमाइश की गई। पैमाइश टीम में मैलानी लेखपाल जैनेन्द्र कुमार, बिजुआ लेखपाल अजय गुप्ता, राजस्व निरीक्षक कुकुरा प्रेम सिंह और डालपर ग्रांट लेखपाल अमित कुमार शामिल थे। नायब तहसीलदार सर्वेश यादव ने बताया कि पैमाइश की रिपोर्ट कल उच्च अधिकारियों को दे दी जाएगी।

इस पैमाइश के बाद रेलवे विभाग द्वारा नीलामी प्रक्रिया पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह पैमाइश मैलानी नगर पंचायत और रेलवे विभाग के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे भूमि के सही माप और सीमाओं का पता चलेगा। इससे नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी और इसके सथ ही अध्यक्ष कीर्ति महश्वरी ने व्यापारियों से कहां की किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

सीएचसी गेट पर टूटा सीमेंट का पटरा, बना जानलेवा गड्ढा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के मुख्य गेट के सामने गहरे नाले पर रखा सीमेंट का पटरा गुरुवार को टूट गया। इससे वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया, जिसमें देर शाम एम्बुलेंस समेत कई वाहन फंस गए। कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला जा सका। इस दौरान आने-जाने वालों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने जब हालात बिगड़ते देखे तो विरोध जताते हुए गड्ढे के चारों ओर ईंटें रख दीं ताकि लोगों को संकेत मिल सके और कोई बड़ी दुर्घटना न हो। हालांकि अंधेरा होने की वजह से कई लोग चोटहिल हो गए। दुकानदार त्रिकाल, आशु, जय चंद्र, बबलू, अनुज, कल्लू समेत कई लोगों ने नगर पालिका से तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हरदोई-उन्नाव रोड की ऊंचाई ज्यादा है जबकि सीएचसी का परिसर नीचा है। नाले की समय से सफाई न होने के कारण बारिश होते ही पानी भर जाता है और पूरा परिसर तालाब में तब्दील हो जाता है। बीते दिनों हुई बारिश में सीएचसी के अंदर घुटनों तक पानी भर गया था, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि नाले के ऊपर का पटरा टूटने की जानकारी मिलते ही नगर पालिका प्रशासन को सूचित कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ओयल क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा: बाइक को बचाने में कार पलटी, तीन घायल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सीतापुर-लखीमपुर मार्ग पर उस वक्त बड़ा हादसा हो गया जब एक कार चालक ने अचानक सामने आई बाइक को बचाने की कोशिश की। बाइक को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और दूसरी साइड जाकर पलट गई। कार में सवार तीनों युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की तत्परता से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गंभीर रूप से घायल कार चालक को लखनऊ रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि बाइक सवार सुरक्षित रहे और उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। घायल युवकों की पहचान शिव कॉलोनी लखीमपुर निवासी मोहित राज, नितिन और शिवम के रूप में हुई है। तीनों लखीमपुर से सीतापुर की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

फरधान क्षेत्र में युवक की दर्दनाक मौत

फरधान खीरी। थाना फरधान क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक संदीप (40) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह किसी कार्य से बाइक से लौट रहा था, तभी असंतुलन के कारण गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

यूरिया खाद को लेकर बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट के मामले में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने परिवार से की मुलाकात

अजान खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के ग्राम मनवापुर में यूरिया खाद को लेकर बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट हुई थी। इस मामले में आज भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह ने परिवार से मुलाकात की। जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन ने परिवार वालों से वार्ता कर यह आश्वासन दिया कि हम आपके साथ हैं और जिन पुलिस वालों ने बुजुर्ग महिला व उनके बेटों पर लाठीचार्ज किया है, हम प्रशासन के उच्च अधिकारियों से वार्ता करके दोषी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर उनको सस्पेंड कराने का कार्य करेंगे। कुलवंत सिंह ने कहा कि अगर समय रहते खीरी का प्रशासन नहीं जागा तो भारतीय किसान अराजनैतिक जल्द ही डीजीपी लखनऊ का घेराव करेगी। यह घटना न केवल बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट की वजह से गंभीर है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रशासनिक कार्रवाई में पारदर्शिता और जवाबदेही कितनी आवश्यक है। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की इस पहल से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते हैं।

बाल संसद का गठन, छात्रों को सौंपे गए मंत्रालय

हिलौली (उन्नाव)। उच्च प्राथमिक विद्यालय भवानीगंज कंपोजिट में बाल संसद का गठन कर नई कैबिनेट को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को विभागीय जिम्मेदारियां सौंपी गईं और बैज अलंकरण किया गया। कार्यक्रम में एआरपी विनोद कुमार ने छात्रों को बैज पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें कर्तव्यनिष्ठ रहने की प्रेरणा दी। प्रभारी शिक्षिका वंदना शर्मा ने कक्षा 8 की छात्रा प्रतिमा को प्रधानमंत्री, अनुराग को शिक्षा मंत्री, हरिओम को पर्यावरण मंत्री, महक को पोषण मंत्री, हर्षित को सुरक्षा मंत्री, अंशु शर्मा को संचार मंत्री, दिव्या को उपस्थिति मंत्री, संध्या को कौशल विकास मंत्री, हिमांशु को खेल व सांस्कृतिक मंत्री तथा साहिल को स्वच्छता मंत्री नियुक्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान अध्यापिका वंदना शर्मा ने कक्षा 8 में सूक्ष्मदर्शी की सहायता से ''कोशिका से अंगतंत्र तक'' पाठ का प्रयोगात्मक शिक्षण कराया। छात्रों ने प्याज की झिल्ली में कोशिकीय संरचना का अवलोकन कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझा।

भारतीय महिला टीम की निगाह इंग्लैंड से वनडे श्रृंखला जीतने पर

एजेंसी

लंदन। कई मैच विजेता खिलाड़ियों से सजी भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाने के साथ ही आगामी विश्व कप के लिए अपनी पुख्ता तैयारी को नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश करेगी। भारत ने साउथम्प्टन में पहला मैच चार विकेट से जीता था और लॉर्ड्स में जीत से वह तीन मैचों की इस श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर लेगा। इससे हाल के दिनों में इस प्रारूप में उसकी जीत का सिलसिला भी जारी रहेगा जिसमें मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में मिली जीत भी शामिल है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसकी मेजबानी भारत इस वर्ष के अंत में करेगा। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, जो मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए अच्छा सिरदर्द है। टीम में कुछ ऐसे स्थान हैं जिनमें टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प हैं। टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पहले कभी इतनी अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम ने पहले मैच में थोड़ी अधिक अनुभवी अरुंधति रेड्डी की जगह क्रांति गौड़ को तरजीह दी और इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने दो विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना की जोड़ीदार के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी हैं, जबकि शैफाली वर्मा भी टी20 अंतरराष्ट्रीय, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म के कारण दावेदार बनी हुई हैं। हरलीन देओल भी अच्छी फॉर्म में हैं और अगर शैफाली निकट भविष्य में अंतिम एकादश में वापसी करती हैं तो रावल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। ऐसी स्थिति में देओल को टीम में शामिल करना मुश्किल होगा, जिसके बल्लेबाजी विभाग में हरमनप्रीत, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष भी शामिल हैं। स्पिन विभाग भी काफी मजबूत है जिसमें अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी के अलावा अनुभवी दीप्ति, स्नेहा राणा और राधा यादव भी शामिल हैं। पहले वनडे में नाबाद अर्धशतक जमा कर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति ने अपनी इस पारी के दौरान ऋषभ पंत की तरह एक हाथ से छक्का लगाया था। शनिवार को होने वाले मैच में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए प्रतिका रावल पर लगा जुर्माना

■ इंग्लैंड महिला टीम पर धीमे ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सलामी बल्लेबाज़ प्रतिका रावल पर इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला वनडे मुकाबले में आईसीसी आचार संहिता के स्तर 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह मैच बुधवार को साउथैम्प्टन में खेला गया था। रावल पर आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या दर्शकों के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। इस उल्लंघन के साथ, रावल के अनुशासनिक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है। यह उनका पिछले 24 महीनों में पहला अपराध था। रावल को दो अलग-अलग घटनाओं में अनुचित शारीरिक संपर्क का दोषी पाया गया। पहली घटना 18वें ओवर में हुई जब वह सिंगल दौड़ते समय इंग्लैंड की गेंदबाज़ लॉरेन फाइलर से टकरा गईं। दूसरी घटना अगले ओवर में हुई,जब आउट होकर पवेलियन लौटते समय उन्होंने सोफी एक्लेस्टोन से टकराव किया। इस बीच, इंग्लैंड महिला टीम पर धीमे ओवर रेट के कारण मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। तय समय में ओवर पूरे न करने के कारण उन्हें एक ओवर पीछे पाया गया। यह कार्रवाई आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत की गई है, जिसमें धीमे ओवर रेट की स्थिति में प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपने अपराध स्वीकार किए और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सारा बार्टलेट द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया। इस वजह से किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। चार्ज लगाने वाले अंपायरों में सुए रेडफर्न, जैक्लिन विलियम्स, थर्ड अंपायर एना हैरिस, और फोर्थ अंपायर रॉब व्हाइट शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

एरिगैसी सेमीफाइनल में, प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर

लास वेगास। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर यहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को जबकि लीनियर डोमिनगेज़ पेरेज़ ने कज़ाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया। पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया। अर्जुन ने दोनों ही बाजी में शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दूसरी बाजी में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली और फिर अब्दुसत्तोरोव को आसानी से मात दी। इससे पहले पहली बाजी में भी अर्जुन ने बढ़त हासिल की थी, लेकिन बाद में कुछ गलतियों के कारण उज्बेक खिलाड़ी को आधा अंक मिल गया। प्रज्ञानानंदा और कारूआना के बीच कुल सात निर्णायक बाजियां खेली गई। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने तीन बार बढ़त बनाई। प्रज्ञानानंदा ने पहली बाजी जीती लेकिन दूसरी बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। छठी बाजी तक यह सिलसिला बना रहा। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने सातवीं बाजी जीत कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। प्रज्ञानानंदा इस हार से सात अन्य खिलाड़ियों के साथ निचले ब्रैकेट में खिसक गए हैं।

पाकिस्तान पर चालू वित्त वर्ष में 23 अरब अमेरिकी डॉलर के विदेशी ऋण का बोझ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 23 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का बाह्य कर्ज चुकाना होगा। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। पाकिस्तान की आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अनुसार, इस वर्ष मार्च के अंत में पाकिस्तान पर कुल 76010 अरब रुपये का कर्ज था। इसमें 51520 अरब रुपये (करीब 180 अरब अमेरिकी डॉलर) का घरेलू ऋण और 24490 अरब रुपये (87.4 अरब डॉलर) का बाह्य ऋण शामिल है। इस 87.4 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य सार्वजनिक ऋण में दो घटक सरकारी बाह्य ऋण और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त कर्ज शामिल हैं। खबर के अनुसार, 2025-26 में कुल 23 अरब अमेरिकी डॉलर का बाह्य कर्ज चुकाना है। इसमें से 12 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि ''मित्र देशों'' द्वारा रखी गई अस्थायी जमा के रूप में है। उम्मीद की जा रही है कि ये मित्र देश इस 12 अरब डॉलर की राशि की वापसी की तारीख को आगे बढ़ा देंगे। ये अस्थायी जमा राशि में सऊदी अरब से पांच अरब डॉलर, चीन से चार अरब डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात से दो अरब डॉलर और कतर से करीब एक अरब डॉलर शामिल हैं। देश को चालू वित्त वर्ष में हालांकि बहुपक्षीय, द्विपक्षीय ऋणदाताओं, अंतरराष्ट्रीय बान्डधारकों और वाणिज्यिक उधारदाताओं को करीब 11 अरब अमेरिकी डॉलर का बाह्य ऋण चुकाना होगा। ऋण भुगतान वर्तमान में वार्षिक बजट का सबसे बड़ा व्यय है। पाकिस्तान ने 2025-26 में घरेलू एवं और बाह्य ऋण को चुकाने के लिए 8200 अरब रुपये आवंटित किए हैं, जो 17573 अरब रुपये के कुल संघीय बजट का 46.7 प्रतिशत है।

देश की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल

नयी दिल्ली। देश की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में से 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल हो रही है। भारत ने दिसंबर 2015 में हस्ताक्षरित पेरिस समझौते के तहत तय 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले इसे हासिल कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत अब भारत की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 484.8 गीगावाट (जीडब्ल्यू) का आधा हिस्सा हैं, जो निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले हासिल कर लिया गया है। भारत की स्वच्छ ऊर्ज़ा क्षमता 234 गीगावाट है जिसमें बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं भी शामिल हैं। परमाणु ऊर्ज़ा का योगदान अतिरिक्त 8.7 गीगावाट है। कुल मिलाकर ये सभी देश की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 484.8 गीगावाट के 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक हैं। इसकी तुलना में ताप विद्युत क्षमता 242 गीगावाट है। अधिकारियों ने बताया कि यह उपलब्धि भारत की मजबूत नीति निर्देशन को निजी क्षेत्र के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ संयोजित करने की प्रभावशाली क्षमता को रेखांकित करती है। भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दुनिया में सबसे कम है, फिर भी इसकी तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ती ऊर्ज़ा मांग जलवायु कार्रवाई को महत्वपूर्ण बनाती है। शहरीकरण और डिजिटल परिवर्तन में तेजी से, बिजली की अधिकतम मांग में तीव्र गति से वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024-25 में 250 गीगावाट से बढ़कर इसके वित्त वर्ष 2032 तक 388 गीगावाट होने का अनुमान है। सूत्रों ने बताया कि नवीकरणीय क्षमता में तीव्र वृद्धि को सरकारी नीति समर्थन और स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) द्वारा परियोजनाओं की तीव्र स्थापना से बल मिला। आंकड़ों के अनुसार, 2014 से भारत की सौर ऊर्ज़ा क्षमता मामूली 2.82 गीगावाट से बढ़कर जून 2025 तक 116 गीगावाट हो गई है। यह 41 गुना की आश्चर्यजनक वृद्धि है।

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन। ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा, ''वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं। अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

'अगर फिट नहीं हो तो टीम के लिए मत खेलो', बुमराह पर भड़के पूर्व भारतीय कप्तान, कोच पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज चल रही है, जिसमें अब तक 3 मैच खेले जा चुके हैं और भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह केवल 3 टेस्ट मैच खेलेंगे। अब तक वे 2 मैच खेल चुके हैं, और माना जा रहा है कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में उन्हें आराम दिया जा सकता है। इस फैसले पर भारत के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रेवस्पोर्ट्स को दिए साक्षात्कार में दिलीप वेंगसरकर ने कहा, ''भारतीय टीम के लिए खेलना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। अगर आप पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हैं, तो मैदान पर उतरने की जरूरत नहीं। लीड्स टेस्ट के बाद जसप्रीत बुमराह को 7-8 दिन का पर्याप्त आराम मिला था, इसके बावजूद उन्हें दूसरे टेस्ट की प्लेइंग 11 में जगह नहीं दी गई, जो सही नहीं है।'' शायद यह फैसला गौतम गंभीर और अजीत अगरकर को सही लगता हो, लेकिन मेरा मानना है कि अगर आप फिट हैं, तो आपको भारत के लिए हर मैच खेलना चाहिए। बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, जो अपनी गेंदबाजी से मैच का रुख बदल सकते हैं। जब आप विदेशी दौरे पर जाते हैं, तो हर मुकाबला खेलना जरूरी है और इस पर कोई बहस नहीं होनी चाहिए। वेंगसरकर ने भारत के लिए 10 टेस्ट और 18 वनडे मैचों में कप्तानी की है। बुमराह की बात करें तो पहले टेस्ट में वे सबसे प्रभावी गेंदबाज रहे, लेकिन दूसरे टेस्ट में उनकी जगह आकाशदीप को मौका दिया गया। आकाशदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लिए, और मोहम्मद सिराज ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की, जिससे भारत ने वह मैच जीता। तीसरे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई थी, लेकिन भारत यह मैच हार गया और सीरीज में भारतीय टीम में 1-2 से पिछड़ गया। भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन एक भी जीत हासिल नहीं की है। इनमें से 4 मैच इंग्लैंड ने जीते, जबकि 5 ड्रॉ रहे। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम इस मैदान पर पहली जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी, जैसा कि उन्होंने एजबेस्टन में किया था। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक 2 टेस्ट खेले हैं और 12 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर हैं। पहले स्थान पर मोहम्मद सिराज हैं, जिनके नाम 13 विकेट हैं, जबकि आकाशदीप 11 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

जब फुटबॉल खेलना शुरू किया था तब मुझे पता नहीं था कि राष्ट्रीय महिला टीम भी है: अदिति चौहान

नयी दिल्ली। स्टार फुटबॉलर अदिति चौहान ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार गेंद को किक मारी थी तब उन्हें नहीं पता था कि भारत में राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम भी है। अदिति ने शुक्रवार को संन्यास लेने की घोषणा की थी। वह अपने शानदार करियर के दौरान यूरोप में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''पहली बार फुटबॉल खेलते समय मुझे यह नहीं पता था कि कोई राष्ट्रीय टीम भी है। मैंने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलना शुरू किया था। उन्होंने कहा, ''जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस मुकाम तक पहुंचने में सफल रहूंगी। मैंने अपने करियर में जो कुछ भी हासिल किया, वह कोई सपना भी नहीं था जिसकी मैं कल्पना कर सकती थी। चौहान तुरंत पूर्णकालिक कोचिंग में प्रवेश नहीं कर रही हैं, लेकिन अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की फुटबॉल में अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद करने के लिए तैयार हैं।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में तेजी आने के कारण आज देश ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,060 रुपये से लेकर 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,13,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईटीआर-2 फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग प्रक्रिया शुरू, 15 सितंबर है आखिरी तारीख

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-2 फॉर्म के लिए ऑनलाइन आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग की सुविधा शुरू कर दी है, जिससे जटिल आय संरचना वाले लाखों करदाताओं को अपना आईटीआर ज्यादा आसानी से दाखिल करने में मदद मिलेगी। आयकर विभाग ने बयान जारी कर बताया कि आयकर रिटर्न फॉर्म आईटीआर-2 अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे गए डेटा के साथ ऑनलाइन दाखिल करने के लिए उपलब्ध है। इसके जारी होने के साथ ही वो सभी करदाता, जिनमें वेतनभोगी व्यक्ति भी शामिल हैं, जिनके पास कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम आदि हैं, आज से ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के जरिए अपना आयकर रिटर्न ऑनलाइन दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। यह फॉर्म https://incometax.gov.in/iec/foportal/ पर उपलब्ध है। विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आईटीआर दाखिल करने की विस्तारित समय-सीमा पहले ही बढ़ा कर 15 सितंबर, 2025 कर दिया था। विभाग ने इससे पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे। इससे सीमित करदाताओं को ही अपना आईटीआर दाखिल करने में मदद मिली थी। हालांकि, आईटीआर-3 फॉर्म के लिए अब भी केवल एक्सेल यूटिलिटी ही सक्षम है, ऑनलाइन यूटिलिटी अभी सक्षम नहीं है।

आईएफसी ने ट्रांसवोल्ट मोबिलिटी में दो करोड़ डॉलर इक्विटी निवेश की प्रतिबद्धता जताई

नयी दिल्ली। विश्व बैंक समूह के सदस्य अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए ट्रांसवोल्ट मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को दो करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) का इक्विटी निवेश प्रदान करने की शुक्रवार को घोषणा की। उभरते बाजारों में निजी क्षेत्र के विकास के लिए धन उपलब्ध कराने वाली विश्व बैंक की शाखा ने बयान में कहा कि ट्रांसवोल्ट में आईएफसी का दो करोड़ डॉलर का निवेश कंपनी के पांच करोड़ डॉलर के वित्त पोषण दौर का हिस्सा है। बयान में कहा गया, '' यह भारत और वैश्विक स्तर पर किसी ईवी मंच में आईएफसी का पहला इक्विटी निवेश है। यह ट्रांसवोल्ट को अगले पांच वर्ष में अपने इलेक्ट्रिक बेड़े के खंड को 3,500 वाहनों तक बढ़ाने और 8,200 नौकरियों का सृजन करने में सक्षम बनाएगा। यह समूचे भारत में बस व ट्रक जैसे 8,000 भारी वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन लाने के कंपनी के दीर्घकालिक लक्ष्य का भी समर्थन करेगा। आईएफसी के एशिया-प्रशांत के क्षेत्रीय उद्योग निदेशक (बुनियादी ढांचा एवं प्राकृतिक संसाधन) विक्रम कुमार ने कहा, '' ट्रांसवोल्ट, आईएफसी का एक प्रमुख भागीदार रहा है। इस सहयोग से हमारा लक्ष्य नगरपालिकाओं एवं निगमों द्वारा संचालित सार्वजनिक व निजी बेड़ों के विद्युतीकरण को सक्षम करके, इलेक्ट्रिक बेड़ों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता का प्रदर्शन करके और गुणवत्तापूर्ण शहरी परिवहन तक पहुंच का विस्तार करके इस क्षेत्र में बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

गोयल ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माता बनने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में योगदान देने के लिए सक्षम एवं प्रतिबद्ध व्यक्तियों की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री नोएडा स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल में भारत के अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पीयूष गोयल ने युवाओं से भारत के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया और कहा कि कल के भारत के परिवर्तनकर्ता और प्रेरक बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प के साथ, हम हर चुनौती पर विजय पा सकते हैं और अपने राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक बड़े परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक ले जाएगी। उन्होंने विस्तार से बताया कि पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। गोयल ने कहा कि यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है, जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाएं।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कानपुर : एक ऐसा शिव मंदिर जहां की प्राण प्रतिष्ठा न होने के बावजूद श्रद्धालुओं आस्था में नहीं है कोई कमी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। सावन के पूरे महीने में भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। शहर में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं। जिनका रहस्य काफी पुराना है। हर मंदिर अपनी अलग-अलग विशेषताओं को लेकर समाज में प्रसिद्ध है लेकिन क्या आप जानते हैं? कानपुर के पी रोड स्थित बाबा वनखंडेश्वर मंदिर में एक मंदिर ऐसा भी है। जिसका इतिहास करीब ढाई सौ साल पुराना है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह एक पहला ऐसा मंदिर है। जहां पर बाबा की शिवलिंग प्रकट हुई थी लेकिन कभी भी इसकी प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। फिर भी बाबा के प्रति भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं है। मंदिर के पुजारी रामनरेश मिश्रा ने शुक्रवार को जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस मंदिर का इतिहास 250 साल पुराना है। जिस स्थान पर यह पवित्र मंदिर स्थापित है। यहां पर कभी जंगल हुआ करता था। इसी मंदिर के पास एक छोटा सा तालाब और पार्क भी था। चारो तरफ जंगल और तालाब होने की वजह से बड़ी संख्या में चरवाहा अपनी गायों को लाकर घण्टों चरने के लिए छोड़ दिया करते थे। यह सिलसिला काफी समय तक चलता रहा। इसी जंगल मे बने एक टीले पर एक गाय आकर अपना सारा दूध गिरा देती थी। एक दिन चरवाहा की नजर उस गाय और उसके द्वारा गिराए जा रहे दूध की तरफ पड़ी। उसने इसे एक सामान्य घटना समझ कर अनदेखा कर दिया लेकिन यह सिलसिला कई दिनों तक देखने के बाद उसने ग्रामीणों को बताई। जो सभी के लिए कौतूहल कक विषय बन गया। लोगों ने सभी की सहमति से उस टीले की खुदाई करवाई। कई दिनों तक चली उस खुदाई में भोलेनाथ की शिवलिंग प्राप्त हुई। जिसे लोगों ने भगवान की लीला और बाबा शिव का आशीर्वाद मानकर उस शिवलिंग के आस-पास एक चबूतरा बनवा दिया। जहां रोजाना लोग उस शिवलिंग की पूजा अर्चना करने लगे। जैसे-जैसे समय बीतता गया वैसे-वैसे इस मंदिर के प्रति श्रद्धलुओं के प्रति बाबा को लेकर आस्था भी बढ़ती रही। ऐसी लोगों में ऐसी मान्यता हो गई कि यदि सच्चे मन के से लगातार बाबा पर जलाभिषेक करता है। तो उसकी मनोकामनाएं पूरी होती है। फिर क्या था? धीरे-धीरे इस मंदिर का प्रचार प्रसार हुआ और ये स्थान पवित्र बाबा का स्थानों में एक गिना जाने लगा। यही कारण है कि इस मंदिर में विराजमान देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा न होने के बावजूद लोगों की आस्था में कोई कमी नहीं है। वर्तमान में यह मंदिर सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आता है। जहां रोजाना हजारों भक्त बाबा के दर्शन करने आते है। सावन के महीने या किसी विशेष पर्व पर इस मंदिर में यह भी कई गुना बढ़ जाती है। मंदिर प्रांगण में ही श्रद्धालुओं द्वारा कई तरह के मांगलिक कार्यक्रम जैसे जागरण, श्रृंगार, मुंडन संस्कार सत्संग और मनोकामना पूरी होने के बाद बाबा के श्रृंगार के साथ-साथ लंगर का भी आयोजन किया जाता है। इत्यादि धार्मिक कार्य कराए जाते हैं।

अज्ञात ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को पहुंचाया नुकसान, नई मूर्ति की स्थापना शुरू

मीरजापुर। सन्तनगर थाना क्षेत्र के दीपनगर चौराहा स्थित अम्बेडकर पार्क में गुरुवार रात उस समय हलचल मच गई जब किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया, हालांकि पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया। घटना की पुष्टि करते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सन्तनगर थाना पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की ओर से अम्बेडकर पार्क में तत्काल नई प्रतिमा स्थापित की जा रही है। मौके पर कानून-व्यवस्था सामान्य है तथा शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है। पुलिस इस घटना की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

स्कूल के प्रधानाचार्य ने बेजुबान कुत्ते को मारी गोली, शिकायत

बागपत। बागपत जनपद के गेटवे स्कूल के पास एक प्रंसिपल ने कुत्ते की गोली मारकर हत्या कर दी। मामले की शिकायत बागपत कोतवाली में एक महिला अधिवक्ता ने की है। अधिवक्ता ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कारवाई करते हुए लाइसेंस रद्द करने की मांग भी की है। शिकायत करता का नाम सोनिया चौधरी है जो एक अधिवक्ता है और मौहल्ला गायत्रीपुरम बागपत में रहती है। बागपत कोतवाली में दी गयी शिकायत में कहा गया है कि 16 जुलाई .2025 रात्रि लगभग 12 बजे गेटवे स्कूल बागपत के प्रिंसीपल अमित चौहान द्वारा धन्ना एन्कलेव कालोनी में एक निर्दोष कुत्ते को गोली मार दी गयी। अमित चौहान स्कूटी से आया था और उन्होने उस कुत्ते को गोली मारी, जो सामान्यतः उनकी गाडी के पीछे भौंकता था, इस घटना को कालोनी के कुछ लोगो ने अपनी आंखो से देखा और गोली लगने की आवाज व कुत्ते की हालत भी देखी, कालोनी के एक घर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे में यह घटना रिकार्ड भी हो गयी है। इसके पश्चात लगभग 3.45 उन्होने उस कुत्ते को कालोनी के पास एक खाली प्लाट में दफना भी दिया। यह घटना न केवल पशु क्रूरता अधिनियम 1960 के अर्न्तगत अपराध है, बल्कि आई.पी.सी. की धारा 428, 429 और आर्म्स एक्ट का भी उल्लंघन करती है। उन्होंने कहा कि अमित चौहान के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाये, घटना की सी.सी.टी.वी. फुटेज की जांच करायी जाये, कुत्ते के शव का पोस्ट मार्टम कराया जाये। सोनिया चौधरी ने आशंका जताई है कि भविष्य मे ऐसे क्रूर व्यक्ति से समाज को सुरक्षित रखने हेतू कानूनी कार्यवाही की जाये। आज यह एक बेजुबान जानवर को मार रहा है, कल को किसी इन्सान को भी मार सकता है। सोनिया चौधरी ने बागपत के मीडिया संस्थाओं पर घटना को छिपाने, सही न छापने पर असन्तोष जताया है। उन्होंने अपील की है कि जन सरोकार की खबरें को निष्पक्ष प्रकाशित करना चाहिये।

वाराणसी: संगमेश्वर महादेव मंदिर, सावन माह में जलाभिषेक का अनूठा महत्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। गंगा और असि (अस्सी) नदी के संगम स्थल पर स्थित भगवान संगमेश्वर महादेव का मंदिर अपने धार्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत प्रसिद्ध है। विशेष रूप से सावन माह में यहाँ जलाभिषेक का विशेष महात्म्य है। इस प्राचीन मंदिर का उल्लेख काशी और मत्स्य पुराण में भी किया गया है, जो इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्वता को दर्शाता है। क्षेत्रीय समाजसेवी रामयश मिश्र बताते हैं कि काशी के केदार खंड में स्थित संगमेश्वर महादेव मंदिर को मयूरेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर बलुए पत्थरों से निर्मित है और यहाँ शिखर के साथ बाणेश्वर एवं अमरेश्वर शिवलिंग भी स्थापित हैं। शिव पुराण और मत्स्य पुराण में वर्णित है कि गंगा और असि नदी के संगम स्थल पर स्वयंभू रूप में संगमेश्वर महादेव विराजमान हैं। प्राचीन समय से ही श्रद्धालु यहाँ गंगा स्नान के बाद जलाभिषेक के लिए आते हैं। गंगा और असि की पवित्र धाराओं के बीच स्थित यह मंदिर न केवल बाहरी श्रद्धालुओं के लिए, बल्कि स्थानीय

मंदिर में जलाभिषेक से तीर्थ स्नान, दान जप तप का फल मिलता हैं

निवासियों के लिए भी श्रद्धा और आस्था का केंद्र है। यहाँ आने वाले भक्तों का विश्वास है कि यहां जल चढ़ाने से समस्त भूमंडल के सभी तीर्थों के स्नान, दान, जप, तप, यज्ञ और तर्पण आदि के समस्त पुण्य का फल प्राप्त होता है। समाजसेवी बताते है कि काशी में जहाँ बाबा विश्वेश्वर विराजमान हैं, वहीं यहाँ के कण-कण में शंकर का वास है। सावन माह महादेव को अत्यंत प्रिय है, और इस दौरान जलाभिषेक करने से भक्तों की सारी इच्छाएं पूरी होती हैं। इस समय, शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालु अत्यंत उत्साहित रहते हैं, क्योंकि यह माह महादेव के प्रति आस्था और भक्ति को प्रगाढ़ करने का विशेष अवसर होता है।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण योजना के तहत 23 जुलाई से शुरू होगा पशुओं का टीकाकरण

प्रयागराज। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण योजना के तहत 23 जुलाई से खुर पका मुंह पका बीमारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान शुरू होगा। अभियान के तहत समस्त गोवंशों एवं महीश वंशों का टीकाकरण किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को प्रयागराज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ शिवनाथ यादव ने दी। उन्होंने बताया कि 12 लाख 25000 खुराक वैक्सीन उपलब्ध है। हालांकि 4 माह तक के बच्चों एवं 8 माह के ऊपर के गाभिन मवेशियों को यह टीका नहीं लगाया जाएगा। अन्य सभी पशुओं को यह टीका लगाया जाएगा। जिसकी सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं । ग्राम वार रोस्टर तैयार कर लिया गया है। सभी वैक्सीन कोल्ड चैन के अधीन सुरक्षित हैं । पशु स्वामी के घर-घर जाकर 45 दिनों तक टीकाकरण का कार्य किया जाएगा। टीकाकरण तिथि के 1 दिन पूर्व संबंधित ग्राम सभा के जनप्रतिनिधियों को टीकाकरण की सूचना की उपलब्ध कर दिया जाएगा। यह टीकाकरण साल में दो बार किया जाता है । इस बीमारी में हालांकि मृत्यु दर कम है लेकिन उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है पशु बेकार हो जाते हैं । विदेश में इस बीमारी के टीकाकरण के पश्चात दुग्ध उत्पाद की मांग अच्छी हो जाएगी आप सभी पशुपालक भाइयों से अनुरोध है की ग्राम पंचायत में टीकाकरण के लिए जाने वाली टीम का सहयोग करें । टीकाकरण कार्य करावें , जिन मवेशियों को टैग नहीं लगा है उनको टैग लगाकर के टीकाकरण कार्य करावें।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उ.प्र)

फर्रुखाबाद: दुष्कर्म और हत्या का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में ढेर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। कोतवाली मोहम्मदाबाद पुलिस और एसओजी की सयुंक्त टीम से शुक्रवार सुबह एक लाख रुपये के इनामी बदमाश से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली से घायल बदमाश को इलाज के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एनकाउंटर में मारा गया बदमाश आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में वांछित था। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने बताया कि 28 जून को मैनपुरी के गांव देवीपुर में एक खेत में आठ साल की बच्ची की लाश पड़ी मिली थी। मृतका की पहचान हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी रिपोर्ट घटना से एक दिन पहले 27 जून को मोहम्मदाबाद कोतवाली में दी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपित की तलाश शुरू कर दी। गहन जांच और सीसीटीवी फुटेज में अभियुक्त फर्रूखाबाद के ग्राम पखना निवासी मनू का नाम प्रकाश में आया। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित करते हुए उसकी तलाश में एसओजी टीम को लगाया गया। 18 जुलाई को मनू की लोकेशन मोहम्मदाबाद के बेवर रोड खाटूश्याम मंदिर के पीछे जंगल में मिली। वह पुलिस से बचने के लिए जंगल में छिपा था। एसओजी और पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। खुद को पुलिस से घिरा पाकर बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरु कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से वह घायल हो गया। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेते हुए एक पिस्टल और चार खोखा कारतूस जब्त कर लिया। पुलिस घायलवस्था में उसे इलाज के लिए लोहिया अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने अभियुक्त मनू को मृत घोषित कर दिया।

ननिहाल आए युवक की सड़क हादसे में मौत गांव में मचा कोहराम

जौनपुर। खेतासराय थाना अंतर्गत गुरुवार रात शाहापुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक अपने ननिहाल में रह रहा था और किसी कार्य से खेतासराय बाजार गया था रात लौटते वक्त अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान अनिल यादव (35) पुत्र रामअवध के रूप में हुई है। वह जनपद आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के अवराडार गांव का निवासी था, लेकिन इन दिनों अपने ननिहाल खेतासराय थाना क्षेत्र के दुलीपुर जमदहाँ गांव में परिवार के साथ रह रहा था। गुरुवार शाम अनिल किसी काम से बाइक से खेतासराय बाजार गया था। रात में लौटते समय जब वह शाहापुर गांव स्थित ईंट भट्ठे के पास पहुंचा तो एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनिल सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल को खेतासराय के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमार्टम को भेजा सूचना मिलते ही खेतासराय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अनिल की मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिवार और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। इस मामले में शुक्रवार को जानकारी लेने परखेतासराय थानाध्यक्ष राम आश्रय राय ने बताया कि ''घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दिया था।

नेशनल चैंपियनशिप में पहला स्थान पाने वाले आर्यन गुप्ता को किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। दिल्ली में आयोजित ओपन नेशनल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 किलोमीटर की दौड़ में पहला स्थान हासिल करने वाले जंगी रोड काजी तालाब निवासी आर्यन गुप्ता को शुक्रवार को भाजपा नेता व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 15 जुलाई को दिल्ली स्थित राजीव गांधी कंपलेक्स स्टेडियम में आयोजित चैंपियनशिप में 18 राज्यों के प्रतिभाशाली धावकों ने हिस्सा लिया था। इसमें आर्यन ने महज 33.5 मिनट में 10 किलोमीटर की दूरी तय कर पहला स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व भी वह स्टेट चैंपियनशिप में जीत दर्ज कर जिले का गौरव बढ़ा चुके हैं। सम्मान समारोह के दौरान भाजपा नेता मनोज जायसवाल ने कहा कि आर्यन जैसे युवा मीरजापुर का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी स्टेडियम की मांग को लेकर आर्यन समेत तीन युवाओं ने लखनऊ तक दौड़ लगाकर अपनी मांग रखी थी। यदि मीरजापुर में विश्वस्तरीय स्टेडियम का निर्माण हो जाए, तो यहां के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम ऊंचा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन से ही वे मीरजापुर में स्टेडियम निर्माण की मांग करते आ रहे हैं और इस बाबत शासन को पत्राचार भी किया गया है। उन्हें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दिशा में शीघ्र ही ठोस कदम उठाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खिलाड़ियों के हौसला अफजाई और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों की भी सराहना की। इस अवसर पर प्रीतम केसरवानी, बाबूराम गुप्ता, द्वारिका साहू, ओमप्रकाश मौर्य, शिवांशु सिंह, अंकित धवन, संजीव सहगल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सम्पत्ति कर में बढ़ोत्तरी प्रस्ताव के निरस्त के बाद भी बिल होने से नाराज पार्षद निगम मुख्यालय में धरने पर बैठे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। नगर निगम सदन की बैठक में सम्पत्ति कर बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव निरस्त होने के बाद भी बिल जारी किये जाने के खिलाफ पार्षदों ने शुक्रवार को नगर निगम परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। खास बात यह है कि धरने में सत्ताधारी दल भाजपा के पार्षद भी शामिल हैं। पार्षदों का कहना है कि सदन बैठक में सम्पत्ति कर में बढ़ोत्तरी के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया था। लेकिन निगम की ओर से उपभोक्ताओं को बढ़े हुए सम्पत्ति कर के बिल भेजे जा रहे हैं। बहुत ही भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने धरना स्थल पर पहुंचकर पार्षदों को समझाने का प्रयास किया। पार्षद पति मनोज गोयल ने कहा कि पार्षदों की अजीब स्थिति हो गई है। वार्ड में जनता सवाल पूछती है। हम जवाब नहीं दे पाते हैं। महापौर कह रही हैं कि बिल जमा नहीं करो, लेकिन कब तक यह स्थिति बनी रहेगी। महापौर ने भी निगम के अधिकारियों को बढ़े हुए सम्पत्ति कर का बिल जारी करने से मना किया था। उसके बाद भी नगर निगम के कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं। भाजपा पार्षद नीरज गोयल ने कहा कि बढ़े हुए सम्पत्ति कर को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बढ़े हुए सम्पत्ति कर को जब तक कम नहीं किया जाता है। तब तक बिल जमा होने नहीं दिया जाएगा। नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि उनकी बातों को सुन लिया गया है और जल्द ही इस बारे में नगर निगम का पक्ष रखा जाएगा।

जेएन मेडिकल कॉलेज में लेटेंट टीबी की जांच के लिए उन्नत 'सीवाई-टीबी' टेस्ट अब नि:शुल्क उपलब्ध होगा

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) ने भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप लेटेंट टीबी (छिपी हुई तपेदिक) की जांच के लिए एक नई और उन्नत जांच प्रणाली ' सीवाई-टीबी' टेस्ट की शुरुआत की है। यह पहल देश में टीबी उन्मूलन अभियान को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेएनएमसी के चेस्ट और टीबी विभाग के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद शमीम ने जानकारी दी कि यह टेस्ट अब जेएनएमसी के ओपीडी-15 में सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक हाई-रिस्क (अधिक जोखिम वाले) मरीजों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध होगा। इसका उद्देश्य टीबी संक्रमण को समय रहते पहचानकर गंभीर बीमारी में बदलने से रोकना है। 'सीवाई-टीबी' टेस्ट एक आधुनिक स्किन टेस्ट है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के संक्रमण की अधिक सटीक पहचान करता है, खासकर उन लोगों में जिन्हें पहले बीसीजी का टीका लगाया गया हो या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो। पारंपरिक मंटू टेस्ट की तुलना में यह टेस्ट ज्यादा भरोसेमंद है क्योंकि यह बीसीजी वैक्सीन में न पाए जाने वाले विशेष एंटीजन - ईएसएटी-6 और सीएफपी-10 का उपयोग करता है, जिससे जांच की सटीकता और संवेदनशीलता बढ़ती है। विभाग के डॉ. नफीस ए. खान ने बताया कि यह टेस्ट खासकर एचआईवी, मधुमेह जैसी बीमारियों से ग्रसित अथवा कमजोर इम्यून सिस्टम वाले मरीजों में टीबी की प्रारंभिक पहचान के लिए एक प्रभावी साधन है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक स्क्रीनिंग टेस्ट है, और यदि रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो टीबी की पुष्टि के लिए छाती का एक्स-रे या बलगम की जांच जैसे अन्य परीक्षण आवश्यक हैं। इस टेस्ट की प्रक्रिया सरल है, त्वचा में हल्का इंजेक्शन दिया जाता है और 48 से 72 घंटे बाद प्रतिक्रिया देखी जाती है।